तिथि-चैत्र, शुक्ल, प्रतिपदा

सोना - 91,945

शेयर मार्केट- 77,414

चांदी- 1,04,000

निफ्टी- 23,519

अधिकतम -34 °c
न्यूनतम -18 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

www.charchitrajnit.com | वर्ष - 21 अंक-126 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 | लखनऊ, रविवार 30 मार्च, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य : दो रुपये

रामनवमी को सभी मंदिरों में होगा अखंड मानस पाठ : योगी

मुख्यमंत्री का जिलाधिकारियों को तैयारियों का फरमान

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

लखनऊ। रामनवमी पर पूरे उत्तर प्रदेश में मंगल भवन अमंगल हारी का धुन सुनने को मिलेगी। प्रदेश के मंदिरों में 24 घंटे मानस पाठ होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला अधिकारियों को आदेश दिए हैं।उन्होंने कहा है कि अष्टमी के दिन दोपहर 12 बजे अखंड पाठ शुरू होगा और नवमी तिथि को अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के साथ संपन्न होगा। जिलाधिकारियों को समय रहते जरूरी तैयारियां पूरी करने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, इस बार रामनवमी छह अप्रैल को है। भगवान छह अप्रैल को अवतरित होंगे।

अयोध्या समेत समूचे प्रदेश में जश्न का माहौल रहेगा। सभी जिलों में एक दिन पहले यानि अष्टमी की दोपहर 12 बजे से मंदिरों में अखंड मानस पाठ का अनुष्ठान किया जाएगा। इसकी पूर्णाहुति 24 घंटे बाद छह अप्रैल की दोपहर ठीक बारह बजे होगी,ठीक उसी समय अयोध्या में रामलला का सूर्यतिलक हो रहा होगा।मुख्यमंत्री के

- **एक सेकंड की भी बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं : सीएम**

आदेश के बाद जिलाधिकारियों ने अपने जिले के मंदिरों में कार्यरत पुजारियों को दिशा निर्देश दिया है। जिलाधिकारियों ने उस दिन मंदिरों में भव्य सजावट करने और विधि विधान के साथ मानस पाठ के अनुष्ठान के निर्देश दिए हैं। जिला मुख्यालय स्तर से इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शनिवार को नवरात्रि और रामनवमी की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि बलरामपुर के देवीपाटन मंदिर, सहारनपुर के शाकुम्भरी देवी मंदिर, मिर्जापुर में विंध्यवासिनी देवी धाम समेत अन्य प्रमुख देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में काफी भीड़ हो सकती है।किसी मंदिर में श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन में कोई व्यवधान नहीं आना चाहिये।

सूर्य तिलक का दर्शन करने के लिए भी बड़ी संख्या में राम भक्त अयोध्या पहुंचेंगे।श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। बिजली निगम के अधिकारियों को कहा कि नवरात्र में एक सेकंड की भी बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं होगी। नगर विकास विभाग और ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को उचित इंतजाम की जिम्मेदारी दी है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जल्द ही एक नए अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा। इस सेंटर की क्षमता 10 हजार लोगों की होगी और इसकी लागत लगभग 1287.66 करोड़ रुपये होगी। सीएम योगी की सरकार ने इसे मंजूरी दे दी है। इस कन्वेंशन सेंटर में एक ऑडिटोरियम भी होगा, जिसकी क्षमता 2500 व्यक्तियों की होगी। इसके अलावा, यहाँ 2250 कार, 33 बस और 36 सर्विस ट्रैकों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। भूमिगत मल्टीलेवल पार्किंग का भी निर्माण किया जाएगा, जिसमें 2575 कारों के अतिरिक्त पार्किंग की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना के लिए 250 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह परियोजना लखनऊ के वृंदावन योजना सेक्टर 15 में बनाई जाएगी। इसके अलावा, प्रदेश के सभी मंडलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर बनाने की योजना है। इस परियोजना के निर्माण से लखनऊ में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और आयोजनों के लिए एक विश्वस्तरीय सुविधा मिलेगी। इससे प्रदेश के पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है।

सरकार ने मोदी की घिबली स्टाइल तस्वीरें साझा की

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एआई से बनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घिबली स्टाइल वाली तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और कैप्शन में लिखा, पीएम मोदी मुख्य पात्र नहीं बल्कि वह पूरी कहानी हैं। स्टूडियो घिबली स्ट्रोक में नए भारत का अनुभव करें।

इन कलाकृतियों ने पीएम मोदी के राजनीतिक जीवन के यादगार दृश्यों को पेस्टल-रंगीन फ्रेमों में बदल दिया, जो जापानी एनिमेटर हयाओ मियाजाकी की प्रतिष्ठित फिल्मों की याद दिलाते हैं। बता दें कि घिबली स्टाइल में जारी तस्वीरों में पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक करते हुए दिखाया गया है। अन्य तस्वीरों में उन्हें भारतीय सेना की वर्दी में, गर्व से तिरंगा थामे और ऐतिहासिक सेंगोल राजदंड के सामने खड़े दिखाया गया है। इसके अलावा, उन्हें तेजस ट्विन सीट लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में उड़ान भरते हुए भी दिखाया गया है, जबकि एक अन्य तस्वीर में उन्हें वंदे भारत ट्रेन के बगल में खड़े दिखाया गया है। इसके अलावा, इस श्रृंखला में उनकी मालदीव यात्रा और स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी की तस्वीरें भी शामिल हैं। वहीं कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी घिबली स्टूडियो की कला शैली में अपनी तस्वीरें बनाने के लिए एआई टूल का उपयोग किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं घिबली ट्रेंड में शामिल हो गया हूं! ये मेरे समर्थकों द्वारा भेजी गई तस्वीरें हैं। अब तक मुझे यह भी नहीं पता था कि घिबली क्या है, लेकिन इस नए खुलासे से मुझे आधिकारिक रूप से स्पिरिटेड अवे मानिए। इस बीच, एआई द्वारा जनरेट की गई तस्वीरें इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गई हैं, और सोशल मीडिया पर घिबली शैली (शेष पृष्ठ 7 पर)

हिंदी की किसी भाषा से प्रतिस्पर्धा नहीं : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच आपस में कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। बल्कि उनके बीच तो एक सहयोग का भाव है। हिंदी से सभी भारतीय भाषाएं मजबूत होती हैं और अन्य सभी भारतीय भाषाओं से हिंदी मजबूत होती है। भाषा के नाम पर विवाद खड़े करने वालों आगाह करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भाषा के नाम पर देश को तोड़ने का सिलसिला बंद होना चाहिए। रक्षा मंत्री रामनाथपुरम (अब तमिलनाडु का हिस्सा) की शासक रही रानी वेलु नचियार को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि रानी वेलु नचियार का जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐसा सुनहरा काल है जो उनकी बहादुरी और उनके त्याग की एक मिसाल है। वह अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा लेने वाली पहली रानी थीं। उन्होंने यह साबित किया था कि नेतृत्व क्षमता सत्ता में नहीं बल्कि दमन और अन्याय के खिलाफ लड़ने में निहित है। रक्षा मंत्री ने इस मौके पर यह भी बताया कि तमिलनाडु की रानी वेलु नचियार के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति को हिंदी भाषा में प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि उनकी शौर्यगाथा को लोग अच्छी तरह से समझ सकें। लेकिन कुछ लोग तमिल और हिंदी भाषा को लेकर विवाद खड़े कर रहे हैं। जबकि भाजपा हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं (शेष पृष्ठ 7 पर)

भूकम्प से म्यांमार में 1600 से ज्यादा मौतें

म्यांमार, एजेंसी। यहां शुक्रवार को आए भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। 7.7 तीव्रता के इस झटके से अब तक 1600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। भूकंप का असर थाईलैंड तक महसूस किया गया, जहां एक बहुमंजिला इमारत गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। अब भी 50 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश में राहतकर्मी जुटे हुए हैं। म्यांमार के मांडले शहर में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। वहां 90 से ज्यादा लोग ध्वस्त इमारतों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

रेड क्रॉस और अन्य राहत संगठनों ने युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है। म्यांमार के सैन्य शासन ने अंतराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की है ताकि राहत और पुनर्वास कार्य तेज किया जा सके। बचाव दल लगातार मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन संचार और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण राहत कार्य में कई चुनौतियां आ रही हैं। बता दें कि म्यामांर में बीते शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप ने अब तक हजारों लोगों की जान ले ली है। करीब 1700 लोग घायल हुए हैं और हजारों अभी भी लापता हैं। भूकंप के तुरंत बाद ही भारत ने म्यांमार को हर संभव मदद देने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि (शेष पृष्ठ 7 पर)

बांदा-बहराइच हाइवे के चौड़ीकरण की मांग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● पूर्व एमएलसी ने केन्द्रीय मंत्री को लिखा पत्र

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र का बांदा-बहराइच राजमार्ग दुर्घटनाओं का गढ़ बन गया है। इस मार्ग पर 24 घण्टे ट्रक, ट्रेलर और डम्पर जैसे भारी वाहनों का आवागमन रहता है। हाईवे की स्थिति ऐसी है कि किसी एक भारी वाहन के रुकने पर पूरा यातायात ठप हो जाता है। जिससे लम्बा जाम लग जाता है और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिला पंचायत सदस्य अंजली पासी और अनुपम मिश्रा, आरवी ट्रेडर्स के निदेशक मनोज रावत, पूर्व प्रधान रामहेत और पूर्व रामकिशोर मौर्य समेत कई स्थानीय लोगों ने इस समस्या पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर क्षमता से अधिक भारी वाहनों का आवागमन होता है। सुबह शाम भारी वाहनों का तांता नहीं टूटता है जिसके चलते आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

इस गम्भीर समस्या को देखते हुए पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा है है कि बांदा-बहराइच राजमार्ग उत्तर प्रदेश का सबसे लम्बा सम्पर्क राजमार्ग है। हाईवे के चौड़ीकरण से दुर्घटनाओं में कमी आएगी इसके साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पूर्व एमएलसी ने बादा-बहराइच राजमार्ग को लालगंज से हैदरगढ़ तक चौड़ा कराने के साथ ही इसे नेशनल हाइवे में परिवर्तित करने की मांग की है। यह राज्यमार्ग क्रमशः लखनऊ- अयोध्या, लखनऊ- सुल्तानपुर राष्ट्रीय राज्यमार्ग, लखनऊ - प्रयागराज नेशनल हाईवे को क्रॉस करता हुआ निकला है। इस राज्य मार्ग से करबई एवं हमीरपुर खदान से निर्माण सामग्री ढुलाई की जाती है जिसमें प्रमुख रूप से रायबरेली, बाराबंकी, बहराइच, श्रावस्ती, अयोध्या, बलरामपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, गोंडा आदि जिले शामिल हैं। इसी मार्ग से पर्यटन विभाग में हेरिटेज सम्पत्ति के रूप में सूचीबद्ध प्रसिद्ध महेश विलास पैलेस का आगमन है जहां अक्सर धारावाहिकों, वेबसीरीजों, भोजपुरी एवं बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग होती रहती है। श्री सिंह ने मांग की है कि यातायात घनत्व को दृष्टिगत रखते हुए इसे चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण करने की नितान्त आवश्यकता है।

कोरोना काल में पत्नी ने छोड़ा साथ, बच्ची के सिर से उठा साया अब तालाब में मिली लाश

रायबरेली, चसं। शनिवार सुबह आदर्श नगर मुराई बाग में तालाब से बरामद संदिग्ध हालात में युवक की लाश कई प्रश्न चिन्ह खड़े कर रही है कस्बे के अंदर दिलदार स्वीट हाउस के पीछे गंदगी से पटे तालाब नूमा जल भराव वाले स्थान से 40वर्षीय वेद प्रकाश तिवारी का शव मिलते ही कस्बे के अंदर सनसनी का माहौल पैदा हो गया मिली जानकारी के अनुसार डलमऊ थाना क्षेत्र के हल्का नंबर चार में मौजूद जहांगीराबाद गांव के रहने वाले लगभग 40 वर्षी वेद प्रकाश तिवारी प्रतिदिन की दिनचर्या की तरह शुक्रवार को रायबरेली गए हुए थे जो शाय काल रोज की अपेक्षा तय समय घर नहीं पहुंचे तो परिवारजनों के द्वारा छानबीन शुरू की गई लेकिन परिवार के किसी भी सदस्य को कहीं कोई सुराग नहीं लगा जबकि जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को ही मृतक का शव कस्बे वासियों के द्वारा तालाब में देखा गया सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी डलमऊ राजित राम गुप्ता व डलमऊ पुलिस ने शव की खोजबीन शुरू कराई लेकिन रात में शव ढूंढने में सफलता हासिल नहीं हुई तथा शनिवार सुबह आदर्श नगर स्थित तालाब से बरामद हुए शव की शीनाक्त हुई तो मृतक वेद प्रकाश के परिवार जनों को पता चल पाया कि उनके बेटे की मौत हो चुकी है जिनका शव तालाब से बरामद हुआ संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुई लाश ने कई प्रश्नगत आयामों को जवाब मिलने के लिए प्रशासनिक जांच की ओर इंगित कर रही कि आखिर क्या वेद प्रकाश तिवारी ने स्वयं आत्महत्या का कदम उठाया या फिर उनकी हत्या को अंजाम दिया गया खैर यह जांच का विषय है किंतु अगर मृतक द्वारा आत्महत्या की गई तो गंदगी से पटे तालाब में कूद कर आत्महत्या करना कितना मुनासिब रहा होगा जबकि बात की जाए गंदगी की तो तालाब में गंदगी की पराकाष्ठा अपार है हालांकि स्वतंत्र भारत इस बात की पुष्टि नहीं करता कि युवक ने आत्महत्या की या फिर उसकी हत्या हुई यह पुलिस के लिए जांच का विषय है जो जवाब मृतक की 12 साल की बेटी मांग रही है जिसके सर से मां-बाप का साया हमेशा हमेशा के लिए उठ गया कोरोना कल के दौरान वेद प्रकाश तिवारी की पत्नी की मौत हो गई थी जिससे बेटी की देखभाल स्वयं वेद प्रकाश करते थे किंतु वेद प्रकाश की मौत से एक बेटी के ऊपर से उसके बाप का साया उठ गया मौके पर पहुंची डलमऊ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बोले जिम्मेदार : अरुण कुमार नवहार क्षेत्राधिकारी डलमऊ ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया तहरीर प्राप्त होने पर जांच की जाएगी।

एकेटीयू के नवाचार को आगे बढ़ायेगी सरकार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● बिविश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता पर आयोजित पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन समारोह में बोले माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों में काम कर रहे नवाचार को आगे बढ़ाने में सरकार सहयोग करेगी। अच्छे नवाचार को फंड देने के साथ ही विषेशज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। नवाचार को स्टार्टअप और उसे कॉमर्सलाइज करने में भी सहयोग किया जाएगा। यह आश्वासन मुख्यमंत्री के सलाहकार पूर्व आईएएस अवनीश अवस्थी ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन हब, एआईसीटीई और मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल के सहयोग नवाचार और उद्यमिता पर 25 मार्च से चल रहे पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि दिया। उन्होंने एफडीपी में भाग ले रहे फैकल्टी से उनके संस्थान किये जा रहे नवाचार की जानकारी ली। कहा कि अच्छे नवाचार को माननीय मुख्यमंत्री जी से अवगत कराते हुए आगे बढ़ाने में सहयोग किया जाएगा। कहा कि नवाचार और उद्यमिता पर एफडीपी काफी महत्वपूर्ण है।

इससे शिक्षकों को बहुत कुछ नया सीखने को मिलेगा। क्योंकि तेजी से बदल रही दुनिया में नवाचार और उद्यमिता के जरिये सफलता हासिल की जा सकती है। कहा कि मेडिकल और फार्मा के क्षेत्र में नवाचार की काफी संभावनाएं है। बताया कि जल्द ही सरकार इन दोनों क्षेत्रों में बड़े कार्य करने जा रही है। जल्द ही मेडिकल डिवाइस पार्क शुरू होगा तो फार्मा पार्क बनाने पर बैठक होने वाली है। एआई के महत्व को बताते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आज हर क्षेत्र में दखल है। सभी को एआई से अपडेट रहने की जरूरत है। कहा कि अभी भी एकेडमिक एक्सिलेंस में सुधार की गुंजाइश है। हालांकि ऐसे प्रोग्राम से निश्चित ही सुधार होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय ने की। उन्होंने श्री अवनीश अवस्थी को एफडीपी और विश्वविद्यालय में चल रही अन्य योजनाओं से अवगत कराया। डीन इनोवेशन प्रो0 बीएन मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पांच दिवसीय इस एफडीपी से शिक्षकों को काफी कुछ सीखने को मिला है। कहा कि नवाचार और उद्यमिता को लेकर आगे बहुत करना बाकी है। पांच दिवसीय एफडीपी में अलग-अलग सत्रों के दौरान सफल उद्यमियों और इनवेस्टर्स ने मार्गदर्शन दिया। नवाचार और उद्यमिता के लिए मिलने वाली कई तरह की ग्रांट्स, पॉलिसी और इन्क्युबेशन सहयोग, शोध और पेटेंट, मास्टर बिजनेस मॉडल, फंडिंग नीति और नेतृत्व क्षमता का विकास और उद्यमी मानसिकता बनाने पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी।एसो0 डीन डॉ0 अनुज कुमार शर्मा ने धन्यवाद दिया. कार्यक्रम का संचालन इनोवेशन हब की मैनेजर वंदना शर्मा ने किया। इनोवेशन हब के हेड महीप सिंह ने विषय स्थापना के साथ ही इनोवेशन हब की ओर से किये जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अतिथियों ने एफडीपी में प्रतिभाग कर रहे फैकल्टी को प्रमाणपत्र भी दिया। कार्यक्रम में डॉ0 सिद्धार्थ यादव, डॉ0 वर्षा शुक्ला, अनुराग त्रिपाठी, अनुराग चैबे सहित अन्य प्रतिभागी मौजूद रहे।

एनएसएस के विशेष शिविर के जरिये सामाजिक कुरीतियों के प्रति किया जागरूक : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी और फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर 25 मार्च से 31 मार्च तक 7 दिवसीय विशेष शिविर का दुग्गौर और दुर्जनपुर गांव में शुभारंभ हुआ। माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित शिविर के पहले दिन दोनों गांवों में 100 स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया। शिविर के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम और योगासन के लाभ जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण से जोड़ना था। साथ ही प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को साफ-सफाई और योग के बारे में बताया गया। ताकि बच्चे विभिन्न बीमारियों से बच सकें। इस शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा दी गई। इस दौरान साफ-सफाई भी की गयी। जिससे कि ग्रामीण और बच्चे सफाई के महत्व को समझ सकें और अपने आसपास स्वच्छता को अपनायें। कार्यक्रम का समन्वय एनएसएस समन्वयक प्रो0 एसएन मिश्रा ने किया। इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 ओ0पी0 सिंह, प्रो0 आकाश वेद, प्रोग्राम ऑफिसर अंजली सिंह, आरजू गुप्ता, डॉ0 विकास कुमार चैधरी, डॉ0 रवि शर्मा, श्री गौरव राय, शुभांश त्रिपाठी, रामदयाल सहित स्वयं सेवक छात्र मौजूद रहे।

सुखदेव जन्म की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र की सीमा पर स्थित बेरवा मजरे पोखरा में कष्ट हरी धाम खैरा कनकू से पधारे कथा व्यास पंडित कृष्ण कुमार द्विवेदी जी महराज ने सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन अपनी अमृतमई वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का बखान करते हुए शुकदेव जन्म, परीक्षित श्राप और अमर कथा का वर्णन करते हुए बताया कि नारद जी के कहने पर पार्वती जी ने भगवान शिव से पूछा कि उनके गले में जो मुंडमाला है वह किसकी है तो भोलेनाथ ने बताया वह मुंड किसी और के नहीं बल्कि स्वयं पार्वती जी के हैं। हर जन्म में पार्वती जी विभिन्ना रूपों में शिव की पत्नी के रूप में जब भी देह त्याग करती शंकर जी उनके मुंड को अपने गले में धारण कर लेते पार्वती ने हंसते हुए कहा हर जन्म में क्या मैं ही मरती रही, आप क्यों नहीं।

शंकर जी ने कहा हमने अमर कथा सुन रखी है पार्वती जी ने कहा मुझे भी वह अमर कथा सुनाइए शंकर जी पार्वती जी को अमर कथा सुनाने लगे। शिव-पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अंडा था जो कथा के प्रभाव से फूट गया उसमें से श्री सुखदेव जी का प्राकट्य हुआ कथा सुनते सुनते पार्वती जी सो गई वह पूरी कथा श्री सुखदेव जी ने सुनी और अमर हो गए शंकर जी सुखदेव जी के

पीछे उन्हें मृत्युदंड देने के लिए दौड़े। सुखदेव जी भागते भागते व्यास जी के आश्रम में पहुंचे और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए। 12 वर्ष बाद श्री सुखदेव जी गर्व से बाहर आए इस तरह श्री सुखदेव जी का जन्म हुआ। कथा व्यास जी ने बताया कि भगवान की कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज द्वारा बनाए गए नियम गलत हो सकते हैं किंतु भगवान के नियम ना तो गलत हो सकते हैं और नहीं बदले जा सकते हैं।

कथा व्यास जी ने उन्होंने कहा कि भागवत के चार अक्षर इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करे उसे हम भागवत कहते है।

उन्होंने कहा कि प्रभु से बढ़कर कोई और सुख और सम्पदा नहीं, भागवत कथा श्रवण करने वालों का सदैव कल्याण होता है, मानव जीवन विषय वस्तु को भोगने के लिए नहीं मिला है, लेकिन आज का मानव भगवान की भक्ति को छोड़ विषय वस्तु को भोगने में लगा हुआ है। उसका सारा ध्यान संसारिक विषयों को भोगने में लगा रहता। उन्होंने कहा कि यह संसार सेमल के फूल की तरह नस्वर और क्षणभंगुर है। सांसारिक माया के पीछे भागने की बजाय श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण मनन करें जिससे सारे पापों से मुक्ति मिल जाएगी। कथा का आयोजन रामकमल पाण्डेय द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य यजमान अनूप कुमार पाण्डेय सपत्नी शांति पाण्डेय, वरिष्ठ समाजसेवी अंजनी दीक्षित, युवा समाजसेवी राज दीक्षित, अमित मिश्रा, पंकज पाण्डेय, बिंदेश्वर पाण्डेय, सोनू पाण्डेय, अविरल मिश्रा, गणेश अवस्थी, अंकित अवस्थी, छोटू गुप्ता ,विकास गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

मृतका के पति ने नामजद दी तहरीर, जांच शुरू

रायबरेली, चसं। शिवगढ़ थाना के गांव असहनजगतपुर निवासिनी अफसरी की दिवार में दबने से मौत हो गई थी जिसको लेकर मृतका के पति अयूबखान ने पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर एक व्यक्ति पर पुरानी रंजिस में जानबूझकर पत्नी के ऊपर दिवार गिरवाने का आरोप लगाया है।एसपी ने प्रकरण की जांच प्रारंभ कर दिया है।

पैसे के लेनदेन का वीडियो वायरल

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर थाना के अन्तर्गत वनदरोगा से पैसे लेनदेन करते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया में वायरल किया है।वायरल वीडियो में पैसे के लेनदेन के दौरान उसके साथ अन्य साथी भी दिख रहे है।जिस वायरल वीडियो की पुष्टि हमारा समाचार पत्र नही करता है।सीओ ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

सामुहिक दुष्कर्म में एक भेजा गया जेल

रायबरेली, चसं। लालगंज थाना के रेलकोच के पास एक युवती के साथ सामुहिक दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है।जिसको लेकर युवती ने एक नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ तहरीर थाने में दिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चार के खिलाफ केस दर्ज करते हुए नामजद अभियुक्त सतीश कुमार को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है अन्य की तलाष जारी है।

बिजली उत्पादन पर विशेष सेमिनार

लखनऊ, चसं। लखनऊ के इंजीनियर्स भवन में विद्युत उत्पादन के विकास पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूशन ऑफइंजीनियर्स (इंडिया), यूपी स्टेट सेंटर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के आईपी चेयरमैन इं. मसर्रत नूर खान ने किया। मुख्य अतिथि इंजीनियर गिरीश ने भारत के विद्युत उत्पादन की विकास यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1947 में देश की विद्युत उत्पादन क्षमता मात्र 1,362 मेगावाट थी। जून 2024 तक यह क्षमता बढ़कर 4,46,190 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 26 गीगावाट नई बिजली उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का योगदान 71 प्रतिशत रहेगा।

वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ 51 हजार दीपों से सजा लखनऊ

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● नव वर्ष महोत्सव में भव्य सांस्कृतिक आयोजन

लखनऊ। भारतीय संस्कृति की सनातन परंपराओं को जीवंत करते हुए सरस्वती कुंज प्रांगण, निराला नगर में भारतीय नव वर्ष महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ पांच कुंडीय यज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें विश्व कल्याण की मंगल कामना की गई। यह आयोजन पिछले चार वर्षों से लगातार हो रहा है और इस बार इसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना से और भी अधिक भव्य स्वरूप प्रदान किया गया। मुख्य संयोजक अभिषेक खरे ने कहा, यह युग परिवर्तन का समय है। प्रयागराज के महाकुंभ में सनातन एकता की जो प्रेरणा मिली, उसी से प्रेरित होकर राजधानी लखनऊ में वसुधैव कुटुंबकम की भावना से नव वर्ष पर यह आयोजन किया गया है। हमारी अपील है कि हर व्यक्ति एक दीप जलाकर मां जगदंबा से मंगलकामना करे और इसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर भारतीय नव वर्ष के संदेश को अधिक व्यापक बनाए। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, विधायक नीरज बोरा, भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा, और पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, समिति कोशा अध्यक्ष विमर्श कुमार रस्तोगी की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। सांस्कृतिक महोत्सव में 51,000 दीपों का भव्य दीप यज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें भारी संख्या में युवाओं, बच्चों, और महिलाओं ने भाग लिया। मां गायत्री की आराधना और वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र को केंद्र में रखते हुए पूरे वातावरण में भक्ति और उमंग का संचार हुआ। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से अमित दीक्षित और उनकी टीम ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इनमें ÷केवट संवाद÷, ÷सीता स्वयंवर÷, और ÷राम-शबरी संवाद÷ जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगोली कलाकार आरती यादव ने वसुधैव कुटुंबकम की थीम पर आकर्षक रंगोली बनाकर आयोजन को विशेष पहचान दी। गायत्री परिवार के समन्वयक डॉ. अरविंद निगम, सुनील वैश्य, ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, और अनिल त्रिपाठी ने भी आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जबकि भारतीय नव वर्ष महोत्सव समिति के सदस्य उत्कर्ष अग्रवाल, संजीव वर्मा, डॉ. विवेक टंगड़ी, रिद्धि किशोर गौड़, पंकज भदौरिया, अल्केश सोती, मनीष गुप्ता, और जितेंद्र सिंह चौहान ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संक्षिप्त समाचार

बाबा काशी विश्वनाथ समूह द्वारा आयोजित विशाल भण्डारा सम्पन्न

शिवगढ़, रायबरेली, चसं। क्षेत्र के गुमावां लाही बॉर्डर में चल रही आठ दिवसीय संगीतमयी श्री हनुमान कथा के पंचम दिवस की कथा के समापन पर बाबा काशी विश्वनाथ समूह द्वारा विशाल भण्डारा आयोजित किया गया है। भण?रे में पूण्य की लालसा से श्रोताओं ने बड़ी ही शिद्दत के साथ प्रसाद ग्रहण किया। गौरतलब हो कि लाही बॉर्डर गुमावां स्थित प्रसिद्ध हनुमान मन्दिर में बीती 24 मार्च से संगीतमयी श्री हनुमान कथा चल रही है। जिसमें अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता संत रमेश भाई शुक्ल जी महराज अपनी अमृतमई वाणी से हनुमान कथा के माध्यम से सुन्दरकाण्ड के गूढ़ रहस्य बताकर मानव कल्याण कर रहे हैं। शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित कथा के समापन पर प्रतिदिन भण्डारे का आयोजन किया जाता है। कथा के पांचवें दिन बाबा काशी विश्वनाथ समूह द्वारा विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर आनंद कुमार शुक्ला, लवलेश शुक्ला, करुणा शंकर मिश्रा, बाबा काशी विश्वनाथ समूह के अवनीश शुक्ला, विपुल शुक्ला, प्रदीप सिंह ,प्रदीप पाण्डेय ,अशोक मिश्रा, मधुकर मिश्रा, नितिन सिंह, सचिन सिंह, अतुल सिंह, चंदन शुक्ला, करुणेश शुक्ला, शिव द्विवेदी,प्रेम कुमार, आलोक मिश्रा, पवन सिंह, शिव जहां सिंह, मोनू सिंह, बृजेश शुक्ला, विवेक बाजपेई, प्रदीप वैश्य आदि लोग उपस्थित रहे।

आज से राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता शिवगढ़ में करायेंगे श्रीमद्भागवत कथा का रसपान

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। क्षेत्र के शिवगढ़ नगर पंचायत अन्तर्गत वार्ड नम्बर 11 स्थित शिवगढ़ पावर हाउस के समीप महाराजगंज रोड पर आज 30 मार्च से शुरू होने वाली 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में पिपरा चन्देरी मध्य प्रदेश के पधारे राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता शिवकुमार महाराज जी अपनी अमृतमई वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का रसपान करायेंगे। श्रीमद्भागवत की शुरुआत से पूर्व 7 बजे श्री गणेश पूजन एवं 7:30 से भव्य कलश यात्रा निकालकर श्री बरखण्डीनाथ महादेव मंदिर, श्री राम जानकी मंदिर के साथ ही शिवगढ़ नगर का भ्रमण करते हुए पुनः कथा पण्डाल में आकर समाप्त होगी। शनिवार को भक्तों के कारवां के साथ शिवगढ़ पहुंचे कथा प्रवक्ता शिवकुमार महाराज जी का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया, कथा के मुख्य आयोजक यजमान बृजेंद्र बहादुर सिंह ने सपत्नी पुष्पा सिंह के साथ चरण पखार कर गुरु का आशीर्वाद लिया। जिनका आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमर पड़ी लोगों ने पुष्प वर्षा कर आध्यात्मिक गुरु का स्वागत किया। कथा के समापन पर आगामी 7 अप्रैल को महाप्रसाद ब्रह्म भोज का आयोजन किया जाएगा। बृजेंद्र बहादुर सिंह चौहान ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 30 मार्च से 6 अप्रैल तक शाम 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक कथा चलेगी। इस मौके पर विजय सिंह, अमर सिंह, अंकित सिंह, अमित सिंह हिमांशु सिंह, विनय पाण्डेय, मोनू पाण्डेय, दिलीप सिंह, संगीत मिश्रा, रामबरन सिंह, सतीश कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

विन्ध्य विनय रावत बनाए नए शिवगढ़ थाना प्रभारी

शिवगढ़,रायबरेली, चसं। कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डा.यशवीर सिंह ने शिवगढ़ थाना प्रभारी श्याम कुमार पाल का डलमऊ स्थानांतरण कर दिया है, जिन्हे डलमऊ कोतवाली का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। उनकी जगह साइबर क्राइम के थाना प्रभारी निरीक्षक विंध्य विनय रावत को नया शिवगढ़ थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। श्याम कुमार पाल लम्बे समय से शिवगढ़ थाने में तैनात थे। हाल ही में थाना क्षेत्र के जसवंत खेड़ा मजरे सूरजपुर में एक घटना हुई। रघुनन्दन दास की कुटी से भगवान श्री राम, लखन,माता जानकी मूर्तियां चोरी हो गई मूर्तियों के चोरी होने से मन्दिर सूना पड़ा है। कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस को इस मामले में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस घटना से ग्रामीणों में पुलिस के प्रति नाराजगी है ग्रामीणों लगातार पुलिस से खुलासे की मांग कर रहे। नए थाना प्रभारी विन्ध्य विनय रावत की नियुक्ति से ग्रामीणों को चोरी के मामले में खुलासे की उम्मीद जगी है।

सपा सांसद का पुतला जलाकर जताया विरोध

बछरावां रायबरेली, चसं। देश के शौर्य, वीरता एवं पराक्रम के पर्याय महाराणा सांगा जी पर सपा के सांसद राम जी लाल सुमन के द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में बछरांवा में भाजपा करणी सेना विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद का पुतला जलाकर अपना विरोध प्रदर्शन जताया। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से भाजपा नेता हरिओम चतुर्वेदी जिला महामंत्री करणी सेना अभय सिंह विधानसभा अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह राणा उपाध्यक्ष नकुल सिंह ब्लॉक अध्यक्ष मुदित सिंह , मनीष गुप्ता ज्ञानू चौधरी सर्वेश सिंह अभय सिंह विनय सिंह सुमित अंकित अभय शुक्ला अंशु पाल श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेवा प्रदेश उपाध्यक्ष इंद्रेश विक्रम सिंह जिला उपाध्यक्ष गोपाल सिंह उपस्थित रहे।

डंपर के रौंदने से एक की मौत, साथी घायल

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना के एनटीपीसी मार्ग के गंदानाला के पास निषांत व युवराज निवासी गांव खोजनपुर को रौंद दिया।जिसमें दोनो को सीएचसी में ले जाया गया जहां पर निषांत को मृतक घोषित कर दिया गया जबकि युवराज की हालत में सुधार न होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया है।

रेलपटरी के किनारे मिला शव

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर थाना के मोतीकापुरवा के पास गेहूं के खेत में संदिग्ध परिस्थितियो में खून से लतपत शव मिला है। जिसके शव मिलने के बाद हालत अलग चर्चाएं थी।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

मारपीट का वीडियो वायरल, जांच शुरू

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना के बछरावां चौराहा पर दो पक्षों में मारपीट हो गया।जिसमें मारपीट में दोनो पक्षों से कई लोगों के द्वारा आपस में मारपीट करने का वीडियो किसी ने बनाकर इंटरनेट मीडिया में वायरल कर दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच करवाया जाएगा।

कुत्ते के हमले से किशोरी की मौत

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना के गांव बाछूपुर निवासिनी सरस्वती पुत्री मोतीलाल की कुत्ते के हमला करने के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर उसको सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बछरावां में भर्ती करवाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है।जिसके मौत के बाद परिजन में रो रोकर बुरा हाल था।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने नव सम्वत्सर व चैत्र नवरात्रि पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा सम्वत्-2082 से प्रारम्भ भारतीय नव सम्वत्सर व चैत्र नवरात्रि पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना भी की है।

अपने बधाई सन्देश में मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि बासंतीय नवरात्रि प्रकृति और शक्ति की उपासना का पर्व है। इस पर्व में उपवास, प्रार्थना एवं ध्यान का विशेष महत्व है। बासंतीय नवरात्रि की प्रतिपदा से ही नववर्ष के पंचांग की गणना शुरू होती है। इस समय मौसम में परिवर्तन भी होता है। इसलिए धर्म, अध्यात्म, ज्योतिष के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टि से भी नवरात्रि का महत्व है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में एक नई उमंग, एक नये उत्साह के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति रचनात्मक सोच पैदा करता है। शक्ति का अनुष्ठान रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यों के प्रति हो, नवरात्रि के अवसर पर हम सभी को यही संकल्प लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने चेटी चन्द पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने चेटी चन्द (भगवान झूलेलाल जयंती) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने बधाई संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भगवान झूलेलाल जी ने सद्भाव और एकता का संदेश देकर समाज को एक नई राह दिखाई। वर्तमान परिवेश में भगवान झूलेलाल जी का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो गया है।

इक्यावन शक्तिपीठ तीर्थ में होंगे माँ के दिव्य दर्शन

लखनऊ, चसं। अपने शिल्प, वास्तु और माहात्म्य की विशिष्टता के कारण सुविख्यात 51 शक्तिपीठ तीर्थ में वासंतीय नवरात्र धूमधाम से मनाया जाएगा। सीतापुर रोड पर बख्शी का तालाब स्थित मंदिर में पिंडी पूजन, यज्ञानुष्ठान और कन्याओं के वृहद भोज जैसे कार्यक्रमों विशेष तैयारी की गई है। तीर्थ न्यास की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि उनके पूज्य पिता ब्रह्मलीन पंडित रघुराज दीक्षित मंजु द्वारा स्थापित 51 शक्तिपीठ तीर्थ में नवरात्र के प्रत्येक दिवस निर्धारित रंग के अनुसार देवी विग्रहों का पुष्प, प्रकाश और परिधानों से रंग-श्रृंगार किया जाएगा। प्रतिदिन देवीगीत और संध्याकालीन दिव्य आरती का आयोजन भी संपन्न होगा। वृहद कन्या भोज नवरात्र के अंतिम दिवस को सम्पन्न होगा। तीर्थ के प्रधान पुरोहित आचार्य धनंजय पाण्डेय ने बताया कि वासन्तीय नवरात्र में पिण्डी पूजन और यज्ञानुष्ठान का विशेष महत्त्व है। इच्छुक श्रद्धालुजन इस आयोजन के सहभागी बन कर माँ भगवती की कृपा प्राप्त कर सकेंगे। तीर्थ प्रबंधन का नेतृत्व कर रहे न्यासी वरद तिवारी ने बताया कि तीर्थ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए है। मंदिर के प्रथम तल से शीर्ष पंचम तल तक दर्शन के लिए लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध है।

ईडी ने जब्त की पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल की 1000 करोड़ की चीनी मिलें

लखनऊ, चसं। ईडी ने बसपा सरकार के पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल के खिलाफकड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी तीन चीनी मिलों को जब्त कर ली है, जिनकी कीमत 1000 करोड़ रुपये है। जब्त चीनी मिलों में देवरिया की बैतालपुर और भटनी चीनी मिलें तथा जौनपुर की शाहगंज चीनी मिल शामिल हैं।जांच के दौरान पता चला है कि मोहम्मद इकबाल ने मालव इंफ्राटेक, डायनामिक शुगर्स और हनिवेल शुगर्स जैसी फर्जी कंपनियों के माध्यम से इन बंद चीनी मिलों को खरीदा था। आरोप है कि इस खरीद को वैध दिखाने के लिए वीके हेल्थ सलूशनस नामक कंपनी से लोन का सहारा लिया गया था। बसपा सरकार के दौरान 21 चीनी मिलें बेची गई थी, जिनमें 7 मिलें मोहम्मद इकबाल ने खरीदी थीं। ईडी इस मामले की गहन जांच कर रही है और अवैध संपत्तियों के मामलों की पड़ताल कर रही है।इससे पहले ईडी ने मोहम्मद इकबाल की 4000 करोड़ रुपये की लागत की ग्लोकल यूनिवर्सिटी भी जब्त की थी। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे भी जारी रहेगी और अन्य अवैध संपत्तियों को भी जब्त किया जा सकता है।मोहम्मद इकबाल यूपी के सहारनपुर के पूर्व बसपा एमएलसी और खनन माफिया के रूप में जाने जाते हैं, उनको हाजी इकबाल के नाम से भी जाना जाता है। मिर्जापुर के कुछ बुजुर्गों का कहना है कि एक समय वह आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे। उन्होंने एक परचून की दुकान खोली, जो धीरे-धीरे चलने लगी। इसके साथ ही उन्होंने शहद बेचने का काम भी शुरू किया। मोहम्मद इकबाल मायावती की सरकार के दौरान बसपा में शामिल हो गए। मोहम्मद इकबाल का निवास एक घाड़ क्षेत्र में है, जहां गर्मियों में सूखा और बारिश के मौसम में बाढ़ आती है। इस क्षेत्र में खनन का कारोबार प्रचलित है। मोहम्मद इकबाल ने खनन में अपने पैर जमाने शुरू किए और बसपा सरकार के दौरान हजारों करोड़ का साम्राज्य खड़ा कर लिया।

सपा राष्ट्रीय प्रवक्ता के इफ्तार पार्टी में पहुंचे अखिलेश यादव

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में शनिवार शाम अखिलेश यादव इफ्तार पार्टी में पहुंचे। सपा राष्ट्रीय प्रवक्ता हैदर अब्बास ने एक निजी होटल में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। इसमें सपा प्रमुख भी शामिल हुए। कार्यक्रम में शिया धर्म गुरु मौलाना यासूब अब्बास, टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना फज़ले मन्नान, मौलाना सैफ अब्बास, मुफ्ती इरफान मिया फरंगी महली भी शिरकत कर रहे हैं। इफ्तार से पहले टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना फज़ले मन्नान ने दुआ की। मुल्क की अमन और शांति के लिए दुआ में अखिलेश यादव भी शामिल हुए।

नवरात्रि आज से शुरू लखनऊ में सजे बाजार

लखनऊ, चसं। चैत्र नवरात्र 30 मार्च से शुरू होंगे। अंतिम दिन 6 अप्रैल होगा। इस बार तृतीय तिथि का क्षय होने की वजह से नवरात्र आठ दिनों का होगा। नवरात्र के आगमन पर बाजार सज गए हैं। मंदिरों में सफाई, रंगाई-पुताई और प्रतिमाओं की साज, सज्जा का कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है। शहर के अलग-अलग इलाकों में पूजन सामग्री, फूल और नारियल की दुकानें लग गई हैं। यही नहीं नवरात्र को लेकर बाजारों में ग्राहकों की भीड़ है। अमीनाबाद, गणेशगंज, श्रीराम रोड, चौक, इंदिरानगर, भूतनाथ, आलमबाग, कृष्णानगर, अलीगंज, पुरनिया, गोमतीनगर, पत्रकार पुरम सहित तमाम बाजारों में ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। नवरात्र पर्व को लेकर शहर के सभी प्रमुख बाजारों और मंदिरों के बाहर फल-फूल, नारियल, चुनरी और पूजन सामग्री की दुकानें लग गई हैं। नवरात्र को लेकर भक्तों ने माता के कपड़े,आसन समेत पाठ के लिए किताबों, कैलेंडर और मूर्तियों की खरीदारी भी कर ली है। पूजन सामग्री की दुकानों पर भीड़ दिखी। मिट्टी से लेकर पत्थर की बनी मूर्तियों और कलश बजार में बिक रहे हैं। पूजन में इस्तेमाल होने वाला गेंदे के फूल की कीमतों में उछाल आना शुरू हो गया है। 40 रुपए किलो बिकने वाला गेंदे का फूल 60 रुपए किलो के ऊपर बिक रहा है।

योगी सरकार की बड़ी पहल, कारीगर सम्मानित

माटीकला उत्पादों को बढ़ावा प्लास्टिक मुक्त भारत की मुहिम को बल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड और खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने पारंपरिक कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए एक और कदम बढ़ाया। शनिवार को लखनऊ के गांधी भवन प्रेक्षागृह में ष्राज्य स्तरीय माटीकला एवं ग्रामोद्योगी पुरस्कार वितरण समारोह-2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने किया। समारोह में उत्कृष्ट शिल्पकारों और उद्यमियों को सम्मानित करते हुए माटीकला और ग्रामोद्योग के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा गया।

योगी सरकार की यह पहल न केवल कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और परंपरागत कला को संरक्षित करने में भी योगदान दे रही है। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों और कारीगरों ने इस प्रयास की सराहना की और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।मंत्री राकेश सचान ने अपने संबोधन में कहा कि योगी सरकार माटीकला और खादी उद्योग को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सुधार और रोजगार सृजन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पॉलीथीन के विकल्प के रूप में माटीकला उत्पादों जैसे कुल्हड़, गिलास, थाली और बोतल के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि माटीकला हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है और राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करती है।प्रमुख सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग अनिल कुमार सागर ने कहा कि वर्ष 2024-25 में 2,325 विद्युत चालित चाक, 375 पगमिल मशीनों का वितरण और 300 इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य पूरा किया जा चुका है। खादी बोर्ड ने 580 दोना-पत्तल मशीन और 756 पॉपकॉर्न मशीनें भी वितरित की हैं।

पिछले पांच वर्षों में माटीकला बोर्ड ने 30,888 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए हैं।मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार ने माटीकला बोर्ड की

- पॉलीथीन के विकल्प हो सकते माटीकला उत्पाद : सचान

उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अब तक 48,048 कारीगर परिवारों का चिन्हांकन किया गया है, जिसमें से 32,593 को मिट्टी खोदने के पट्टे, 15,832 विद्युत चालित चाक, 81 दीया मेकिंग मशीन और 31 पेंटिंग मशीनें वितरित की जा चुकी हैं। इसके अलावा, 19,650 लाभार्थियों को प्रशिक्षण और 122 सहकारी समितियों की स्थापना भी की गई है।कार्यक्रम में राज्य स्तरीय माटीकला और ग्रामोद्योगी पुरस्कार प्रदान किए गए। माटीकला श्रेणी में आजमगढ़ के आनंद कुमार प्रजापति को प्रथम पुरस्कार 40,000 रुपये, अयोध्या के राम सजीवन प्रजापति को द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपये और कानपुर देहात के विपिन कुमार को तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपये से सम्मानित किया गया। वहीं, ग्रामोद्योगी श्रेणी में मेरठ की मुनेश को प्रथम, बांदा के अर्जुन को द्वितीय और वाराणसी के अशोक कुमार जायसवाल को तृतीय पुरस्कार मिला।सेमिनार सत्र के अन्तर्गत प्रो. ए. के. गुप्ता, सिरेमिक्स विशेषज्ञ, अलीगढ़ द्वारा प्रदेश में माटीकला की दशा एवं दिशा विषय पर व्याख्यान एवं पी.पी.टी. के माध्यम से पारम्परिक ग्रामीण माटीकला निर्माण से आधुनिक माटीकला निर्माण तक की जानकारी दी गयी। कुलदीप धीमान, माटीकला पेटिंग विशेषज्ञ, लखनऊ द्वारा विभिन्न तकनीकों द्वारा टेराकोटा उत्पाद, डिजाइन एण्ड डेकोरेशन पर, डॉ. सुरेन्द्र प्रजापति, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव, ऑल इण्डिया, कुलाल कुम्भार प्रजापति फेडरेशन, लखनऊ द्वारा टेराकोटा से रिलीव एवं म्युरल कला उत्पाद का निर्माण पर तथा कृष्ण कुमार श्रीवास्तव माटीकला विशेषज्ञ, लखनऊ, मिट्टी की मूर्तियों का निर्माण डिजाइन एण्ड डेकोरेशन पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का समापन संजय कुमार पाण्डेय, नोडल अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस अवसर पर सचिव प्रांजल यादव, माटीकला बोर्ड एवं खादी बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री घर-घर संपर्क कर जनता को सरकार की उपलब्धियों से करवाया अवगत

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के बेमिसाल 8 साल पूर्ण होने पर आयोजित संपर्क अभियान में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कैंट विधानसभा रामजी लाल पटेल नगर वार्ड में घर घर संपर्क कर के सरकार की उपलब्धियों के बारे में चर्चा की और योजनाओं के पत्रक वितरित किये।मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर महानगर उपाध्यक्ष अशोक तिवारी, मान सिंह,मंडल अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, पार्षद संध्या मिश्रा , पूर्व पार्षद गिरीश मिश्रा, सुमित शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय विकसित भारत-युवा संसद महोत्सव सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायी मार्गदर्शन विकसित भारत-युवा संसद महोत्सव-2025 के माध्यम से युवाओं की भूमिका को रेखांकित करता है। उन्होंने यह विचार उत्तर प्रदेश विधान सभा में आयोजित राज्य स्तरीय युवा संसद महोत्सव-2025 के समापन अवसर पर व्यक्त किए।

राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता 28 व 29 मार्च 2025 को केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में माय भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई। इसका उद्देश्य युवाओं को नीति निर्माण में भागीदारी देने और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाना है। प्रतियोगिता के दौरान चयनित प्रतिभागियों ने 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष = अधिकार, कर्तव्य और प्रगति की यात्रा' तथा 'संविधान दिवस का 11वां संकल्प : भारत के संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने की शपथ' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र शासन का सर्वोत्तम तंत्र है, जिसमें लोकवाणी मुखर होती है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस पावन मंदिर में बैठने, बोलने और पुरस्कृत होने का अवसर मिलना गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत युवाओं को अभी से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक गतिविधियों की जानकारी दी जा रही है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 240 युवा देश की सबसे बड़ी राज्य विधायिका में चर्चा का हिस्सा बनने आए हैं, जो उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित

- युवाओं की नीति निर्माण में भागीदारी जरूरी : उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र

करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवाद है, इसलिए अपनी बात तथ्यों के साथ प्रभावी और शिष्टाचारपूर्ण ढंग से रखें। यहां चयनित युवा देश की संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश के नागरिकों को उनके मूल कर्तव्यों का एहसास दिलाने के लिए आगामी 25 वर्षों का विजन डॉक्यूमेंट रखा है, ताकि वर्ष 2047 में जब भारत अपनी आजादी की शताब्दी मनाए, तब वह एक विकसित राष्ट्र बन चुका हो। इसके लिए पंचप्रण का मंत्र दिया गया है, जिसमें विरासत के प्रति सम्मान और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर विशेष बल दिया गया है। युवा शक्ति को इस संकल्प के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

अमन और भाईचारे के रास्ते पर आगे बढ़ेगा भारत : संजय सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भाजपा कार्यकर्ता 32 लाख मुसलमानों को ईद की किट देने जा रहे हैं लेकिन सड़क पर नमाज पढ़ने से अधिकारियों द्वारा रोका जा रहा है इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बोलना चाहिए यह बात लखनऊ पहुंचे आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहीं।

शनिवार को सांसद संजय सिंह पार्टी के प्रदेश कार्यालय गोमती नगर में रोजा इफ्तार पार्टी में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की उन्होंने कहा इफ्तार कार्यक्रम में कई मुस्लिम भाइयों ने शिरकत किया और यही हिंदुस्तान की खूबसूरती है हम लोग मिलकर एक दूसरे का त्यौहार मनाते हैं ईद, होली दिवाली सभी मिलकर मिल जुलकर मानते है । यह रमजान का पवित्र महीना है सभी मुस्लिम भाइयों को शुभकामनाएं देता हूं उन्होंने सभी से अपील की जब भी ऊपर बाली से दुआ मांगे तो इस देश की खुशहाली तरक्की अमन चैन भाईचारे के लिए दुआ मांगे। उन्होंने कहा दुनिया अंतरिक्ष में जा रही है भाजपा कब्र खोदने में लगी हुई हैं मुगलों की करूरता का इतिहास पढ़ाया जा रहा है तो अंग्रेजों की करूरता का भी इतिहास पढ़ाया जाए उन्होंने कहा अंग्रेजों की करूरता के इतिहास में यह भी पढ़ना पड़ेगा कि आरएसएस ने 52 वर्ष तक तिरंगा नहीं फहराया। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है और देश को बांटने की कोशिश कर रही है देश के लोग अमन, शांति से रहना चाहते हैं लेकिन भाजपा हिंदू मुस्लिम मंदिर मस्जिद के मुद्दे को उछाल कर नफरत का माहौल पैदा कर रही है। उन्होंने हिंदू मुस्लिम एकता और गंगा जमुनी तहजीब को बचाने का आवाहन किया उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा अगर भाजपा नफरत की राजनीति करेगी तो किसान बेरोजगारों नौजवानों और किसानों के अहम मुद्दों पर चर्चा नहीं होगी। इफ्तार में प्रमुख रूप से मौलाना आरिफ नक्शबंदी, इमदाद इमाम, नदीम जायसी, नूर सिद्दीकी वसीम सिद्दीकी, माबूद खान मोहम्मद कमर अब्बास, इरम रिजवी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए ।

यूपी सरकार का धार्मिक स्थलों के पास अवैध बूचड़खानों और मांस की दुकानों पर कड़ा कदम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- जिला स्तरीय समितियां गठित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों, नगर आयुक्तों और अन्य स्थानीय अधिकारियों को अनधिकृत बूचड़खानों को तुरंत बंद करने और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने का निर्देश दिए हैं। निर्देश में 2014 और 2017 के पिछले सरकारी आदेशों का हवाला दिया गया है, जिनका उद्देश्य अवैध पशु वध को रोकना हैं । दस्तावेज के अनुसार, वर्तमान प्रशासन ने अवैध बूचड़खानों को बंद करने एवं धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किये हैं। इस नीति को लागू करने के लिए, जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों में पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी शामिल हैं। इन समितियों को बूचड़खानों का निरीक्षण करने, दैनिक पशु वध पर आंकड़े एकत्र करने और उल्लंघनों की रिपोर्ट राज्य सरकार को देने का कार्य सौंपा गया है। आदेश में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है कि धार्मिक स्थलों और मंदिरों के पास कोई पशु वध या मांस बिक्री नहीं होनी चाहिए, जिसके लिए यूपी नगर निगम अधिनियम 1959 और खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत दिया गया है।

कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की राज्य स्तरीय स्थायी समिति की हुई बैठक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती मोनिका एस0 गर्ग द्वारा शनिवार को उ0प्र0 ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सभागार में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की राज्य स्तरीय स्थायी समिति (एसएलएससी) की बैठक की अध्यक्षता की गयी।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 3 बैच-1 (वर्ष 2024-25) के अन्तर्गत जनपद लखनऊ, फतेहपुर, गोरखपुर एवं देवरिया के कुल 07 मार्ग, लम्बाई 46.845 किमी0, एवं जनपद लखीमपुर खीरी के 01 एल0एस0बी0/सेतु के परियोजनाओं का अनुमोदन कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन द्वारा प्रदान की गयी। इस अनुमोदन के पश्चात् इन परियोजनाओं की स्वीकृति ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्गत होना प्रस्तावित है। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृति निर्गत होने के उपरान्त प्रदेश की जनता को आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। समिति द्वारा लोक निर्माण विभाग को पोस्ट डी0 एल0पी0 मार्गों के अनुरक्षण का विवरण ई-मार्ग पोर्टल पर अंकित किये जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में सचिव एवं आयुक्त, ग्राम्य विकास श्री जी0एस0 प्रियदर्शी, श्री अखण्ड प्रताप सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, श्री ईशम सिंह, निदेशक एवं मुख्य अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के साथ राज्य स्तरीय स्थायी समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

यूपी की भाजपा सरकार के 'शराब पर बंपर ऑफर' के खिलाफ प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

- असली शराब घोटाला योगी सरकार में हुआ है : विनय पटेल, प्रांत अध्यक्ष
- नौजवानों को रोजगार देने के बजाय शराब बांट रही योगी सरकार : इरम रिजवी

लखनऊ। आज आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शराब के बंपर ऑफर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उत्तर प्रदेश सरकार की शराब नीति के खिलाफ था, जिसमें एक बोतल के साथ एक फ्री की पेशकश की जा रही है। कार्यकर्ताओं ने इसका तीव्र विरोध करते हुए राज्यपाल महोदया को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल और जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के संयुक्त नेतृत्व में स्वास्थ्य भवन से जिला अधिकारी कार्यालय तक पैदल यात्रा कर विरोध प्रदर्शन किया गया और उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया । इस विरोध प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें शराब के इस बंपर ऑफर को तत्काल बंद करने की मांग की गई है। प्रांतीय अध्यक्ष विनय पटेल ने कहा कि योगी सरकार शराब को बढ़ावा देकर प्रदेश के युवाओं और समाज को नुकसान पहुँचा रही है। पार्टी ने सरकार से मांग की कि शराब की बिक्री को नियंत्रित किया जाए और इसके बुरे प्रभावों से बचने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। पार्टी के नेताओं ने कहा कि ऐसे बंपर ऑफर समाज के नशे की समस्या को और बढ़ावा देंगे, जो पहले से ही गंभीर है। आम आदमी पार्टी ने यह भी कहा कि असली शराब घोटाला उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में हुआ है, सरकार को समाज के कल्याण के लिए काम करना चाहिए, न कि शराब जैसे नशे के कारोबार से राजस्व जुटाने के प्रयास में। पार्टी ने सरकार से यह भी आग्रह किया कि वह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे और शराब की बिक्री को लेकर सख्त नीतियाँ बनाएं। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा एक शराब की बोतल के साथ एक शराब बेचा जाना एक बड़ा शराब घोटाला है, भाजपा और शराब कारोबारी का आपस में सांठगांठ है शराब कारोबारी को फायदा पहुंचाने के लिए एक बड़ा शराब घोटाला हुआ है इसकी जांच श्वष्ठ,सीबीआई के माध्यम से होनी चाहिए . नौजवानों को रोजगार देने के बजाय योगी आदित्यनाथ की सरकार नौजवानों के हाथों में शराब की बोतल थमा रही है उत्तर प्रदेश को शराब का हब नहीं बनने दिया जाएगा आम आदमी पार्टी इसके खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी । प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रांतीय अध्यक्ष विनय पटेल,निवर्तमान दिनेश पटेल, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष इरम रिजवी, सी बाई एस एस प्रदेश प्रभारी वंशराज दुबे, वैभव प्रकाश, पंकज यादव, तुषार श्रीवास्तव, सुभाषिनी मिश्रा, रानी कुमारी, जॉनी, अंकित परिहार,सी के प्रसाद, बी एन खरे, अतुल सिंह, अनीत रावत, साहिल अंसारी, अब्दुल, वसीम सिद्दकी, अंशुल यादव,शत्रुघ्न यादव सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

महिला से 1.30 करोड़ की ठगी

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में एक दंपती ने एक महिला को घरेलू समस्या बताकर पहले नकदी और जेवर मदद के नाम पर लिए। उसके बाद प्रापर्टी में निवेश के नाम पर लाखों के जेवर हड़प लिए। पीड़िता के पैसे वापस मांगने पर पच्चीस-पच्चीस लाख के चार चेक थमा दिए, जो कि बाउंस हो गए। पीड़िता की शिकायत पर विभूतिखंड पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। विभूतिखंड ओमेक्स हाइट निवासी हुमा खान के मुताबिक सबा आबिदी पाकिस्तानी सूट के व्यवसाय करती थीं। हम उनकी दुकान से कपड़े लेते थे। इसी के चलते 2019 में उनसे अच्छी दोस्ती हो गई। इसके बाद जब भी वह आर्थिक मदद मांगती हम कर देते थे। जिसको वह समय पर लौटा देती थीं। दिसंबर 2021 में सबा आबिदी ने घरेलू परेशानी के साथ पति गजनफर रिजवी को पैसे की जरूरत होने का हवाला देते हुए 32 लाख रुपए और कुछ जेवर मांगे। उनकी बातों में आकर 25 लाख रुपए मूल्य के अपने पुश्तैनी जेवर और 32 लाख रुपए दे दिए। पीड़िता के मुताबिक काफी समय बीतने के बाद सबा से पैसे और जेवर लौटने को कहा। जिसके बाद दोनों 2022 में रियल एस्टेट में और पैसा लगाने की बात कही।

आम प्रयास से हम देश को एक नई महानता तक ले जा सकते हैं, जबकि एकता की कमी हमें नयी आपदाओं में डाल देगी, हर नागरिक की यह मुख्य जिम्मेदारी है कि वह महसूस करे कि उसका देश स्वतंत्र है और अपने स्वतंत्रता देश की रक्षा करना उसका कर्तव्य है. : सरदार वल्लभभाई पटेल

संपादकीय

फिर कांपी धरती

बीते शुक्रवार को म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफ्टॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं। मांडले को राजधानी से जोड़ने वाली सड़कों में चौड़ी दरारें देखी गई हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे समेत जर्मनी व चीन की भूकंप पर नजर रखने वाली संस्थाएं भारी जन-धन के नुकसान की आशंका जता रही हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक भूकंप का केंद्र धरती से दस किलोमीटर नीचे होना बता रहे हैं। खबरें हैं कि म्यांमार की राजधानी नेपिडो में भी काफी क्षति हुई है। लोग भूकंप के ऑफ्टर शॉक के भय से खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। वहीं म्यांमार व थाईलैंड के अलावा इस भूकंप के झटके दक्षिण पश्चिम चीन के यून्नान प्रांत में महसूस किए गए। हालांकि, थाईलैंड में बड़े भूकंपों का इतिहास नहीं रहा है, लेकिन म्यांमार के भूकंप फॉल्ट लाइन पर होने के कारण भूकंप पहले भी आते रहे हैं।

गुरु तेग बहादुर, औरंगजेब व वाल्मीकि समाज

धर्म के कुछ तत्व शाश्वत या सनातन होते हैं और कुछ कालक्रमानुसार बदलते रहते हैं। धर्म के स्वरूप भी अनेक होते हैं। उदाहरण के लिए समाज धर्म, राजधर्म, व्यक्ति धर्म इत्यादि। प्रत्येक व्यवसाय का भी अपना-अपना धर्म होता है। उदाहरण के लिए अध्यापक का धर्म सभी छात्रों से व्यक्तिगत राग-द्वेष को परे रखते हुए समान व्यवहार करना। डाक्टर या चिकित्सक का धर्म बिना किसी भेदभाव से बीमार का इलाज करना। न्यायाधीश का धर्म भय या लालच से निरपेक्ष रह कर न्याय करना। इसी प्रकार ईमानदार रहना, सत्य व्यवहार करना, अन्याय का यथाशक्ति प्रतिकार सभी का धर्म है। इस लिहाज से धर्म को कर्त्तव्य भी कहा जाता है।

मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर बहस बंद होने का नाम नहीं ले रही। कुछ विद्वान औरंगजेब के गुणों को तलाशने में अपनी सारी बुद्धि खपा रहे हैं। जिन दिनों औरंगजेब और उसके दरबारी उसको हिंदुस्तान का बादशाह बता रहे थे, उन दिनों हिंदोस्तान के लोग गुरु तेग बहादुर को हिंदुस्तान का सच्चा पातशाह मान रहे थे। एक बादशाह लोगों के शरीर पर राज कर रहा था और दूसरा पातशाह उनकी चेतना का बादशाह था। औरंगजेब ने हिंदुस्तान के इस सच्चे पातशाह को दिल्ली के चांदनी चौक में अमानवीय यातनाएं देकर शहीद कर दिया था। लेकिन देश का यह सच्चा पातशाह मर कर भी जिंदा रहा, लेकिन औरंगजेब जिंदा होते हुए भी मर गया था। चांदनी चौक की मस्जिद के पास गुरु जी का धड़ और सिर अलग-अलग पड़े थे। मुगल शासन ने गुरु जी की देह को उठाने पर प्रतिबंध लगा दिया था ताकि जनमानस में स्थायी भय डाला जा सके। लेकिन क्या मुगल सत्ता के इस अमानवीय कार्य से सचमुच आम भारतीय डर गया था या फिर गुरुजी और उनके साथियों के इस आत्मबलिदान से उनमें एक नई चेतना और ऊर्जा जागृत हुई? गुरु जी ने आनंदपुर से चलने से पहले ही अनुमान लगा लिया था कि उनके बलिदान से आम जनता में तूफान खड़ा हो जाएगा। औरंगजेब का अनुमान था कि इस भयानक मंजर से भारत के लोग और अधिक डर जाएंगे और स्वतंत्रता के प्रयास सदा के लिए समाप्त हो जाएंगे।

लेकिन इस शहादत के बाद पता चला कि गुरु तेग बहादुर जी का अनुमान ही सही था। उसका कारण यही था कि दशगुरु परंपरा भारतीय चेतना व ऊर्जा का ही स्वरूप था। भारत की आत्मा को इस परंपरा से ज्यादा और कौन जानता था? घटनास्थल पर मुगल सेना का पहरा था। मौसम बहुत ही खराब होने लगा था। रात्रि का अंधकार। तूफान। बादल और बिजली की गर्जना। गुरुजी के शरीर को वहां से कैसे उठाया जाए, ताकि विधिवत उनका अंतिम संस्कार किया जा सके। मुगल शासन से इसकी गुहार लगाना निरर्थक था क्योंकि मुगल साम्राज्य तो अपने इस अमानुषिक कृत्य से भविष्य में भी भारतीय समाज को आतंकित और भयभीत करना चाहता था, ताकि आने वाले समय में भी कोई साम्राज्य के सामने सिर उठा कर न चल सके। लेकिन गुरु जी के इस आत्मबलिदान ने तो जनमानस में आग भर दी थी। शायद चिड़ि?ों के बाज बनने की पहली इबारत लिखी गई थी। लवाना समाज का लक्खी शाह बंजारा। बंजारा में न जाने कहां से अदम्य साहस का संचार हो गया। उसने निर्णय कर लिया कि वह गुरु जी के शरीर का संस्कार करेगा, चाहे उसे इसके लिए कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। उसके तीनों पुत्र नगाहिया, हेमा और हाडी भी इस पवित्र कार्य में अपने पिता के सहयोगी बने। उसका व्यवसाय अपने छकड़ों में एक स्थान से दूसरे स्थान पर सामान पहुंचाने का था। जब छकड़े गुरु जी की शहादत से

पावन हो चुकी उस जमीन पर पहुंचे तो लक्खी और उसके बेटों ने किसी तरह चौकीदारों को भुलावे में डालते हुए, अपने प्राणों की भी चिंता न करते हुए गुरु जी का धड़ उठाकर अपने एक छकड़े में रख लिया। वे सभी गुरु जी की देह को लेकर रायसीना अपने गांव में पहुंचे। लेकिन प्रश्न था कि वे इसका विधिवत संस्कार कहां करें? कहीं भी करते तो मुगल शासकों को शक हो सकता था। 'माघ सुदि पंचमी विक्रमी सम्वत् 1732 की रात को उसने गुरुजी के मृत शरीर को अपने सारे सामान के साथ अपने घर में ही जला दिया।' (मोहिंदर पाल कोहली, गुरु तेग बहादुर-पृ. 40)। आकाश को छूती हुई अग्नि की लपटें उठने लगीं। गुरु जी का शरीर पंचभूतों में विलीन हो गया। ज्योति अग्नि की ज्योति में जा मिली। गांव के लोग एकत्रित हो गए। वे लक्खी के साथ, उसका घर जल जाने पर दुख जताने लगे। लेकिन लक्खी तो जानता था कि इस अग्निकुंड में एक पावन शरीर का संस्कार हुआ है, जिसके कारण उस गांव की धरती पावन हो गई है। वह तीर्थ क्षेत्र बन गई है। आज उस स्थान पर रकाबगंज गुरुद्वारा लक्खी के त्याग का साक्षी है। उधर चांदनी चौक के बलिदान स्थल पर साहस का एक दूसरा अध्याय लिखा जा रहा था। गुरु जी का शीश अभी भी वहीं पड़ा था। वहीं भीड़ में वाल्मीकि समाज के कुछ युवक बेचैन हो रहे थे। काजी को देखते ही उनका रक्त खौलने लगा था। इसी वाल्मीकि समाज के पुरखों ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में कभी शस्त्र और शास्त्र का गहरा अभ्यास किया था। आज वह ऋण चुकाने का अवसर आ गया था। इन वाल्मीकि युवकों में से भाई जैता ने संकल्प लिया कि वह गुरु जी के शीश को किसी भी तरह ले जाकर उनके सुपुत्र श्री गोविंद सिंह जी के पास पहुंचाएगा ताकि वे उसका विधिवत अंतिम संस्कार कर सकें। भाई जैता ने अपने साथियों ननुआ और ऊदा के साथ मिल कर इस साहसी अभियान को अंजाम दिया। उसने रात के अंधेरे में घटनास्थल से गुरु जी का शीश उठाया और घोड़े पर सवार होकर आनंदपुर की ओर चल पड़ा। कुछ देर बाद उसके दो अन्य साथी भी उसके साथ आ मिले। लेकिन तीनों अपने बीच में एक सुरक्षित अंतराल बनाए हुए थे ताकि किसी को शक न हो जाए। उधर मुगल शासन आग बबूला हो रहा था। हर जगह धरपकड़ हो रही थी। लेकिन भाई जैता और उसके साथियों ने मौत की भी परवाह न करते हुए पांच दिन बाद गुरु जी का शीश आनंदपुर में उनके बेटे गोविंद सिंह जी को सौंप दिया। 16 नवंबर 1675 को गोविंद सिंह जी ने अपने पिता के शीश का विधिवत अंतिम संस्कार किया। आजकल वहां एक गुरुद्वारा मौजूद है। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुछ दिनों के उपरांत लक्खी दास अपने बेटों के साथ गुरु तेग बहादुर जी की अस्थियां लेकर आनंदपुर साहिब पहुंचा। उसने गोविंद सिंह जी को गुरु जी के शरीर के संस्कार की सारी घटना बताई और उनकी अस्थियां उन्हें सौंप दीं। सभी ने मिल कर अस्थियों को विधिवत पावन सतलुज में प्रवाहित कर दिया। तिब्बत से चली हुई सतलुज गुरु जी की अस्थियों को लेकर आगे चल पड़ी। इस प्रकार भारतीय इतिहास के एक अविस्मरणीय अध्याय का पटाक्षेप हुआ। अपने धर्म यानी स्वधर्म की रक्षा करते हुए प्राणोत्सर्ग का यह अनुपम उदाहरण कहा जा सकता है। कहा भी गया है, 'स्वधर्मे निधनं श्रेष्ठ' अर्थात अपने धर्म में निधन ही श्रेष्ठ है। धर्म के बारे में कथन है, 'धर्मो रक्षति रक्षतः' धर्म उसकी रक्षा करते हैं जो धर्म की रक्षा करते हैं। यह समाज के संदर्भ में और भी सटीक है। समाज धर्म के अनुसार चले, तभी सभी प्रकार की उन्नति होती है। जो समाज धर्म की रक्षा नहीं करता, धर्म भी उस समाज की रक्षा नहीं करता। :: एजेंसी

नो अदर लैंड, तब जाएं तो जाएं कहां

तानाशाहों को हमेशा लगता है कि कला जैसे उनके लिए काल बन कर आ रही है। इसलिये वे जब-तब कभी कलाकार पर तो कभी उसके काम पर हमला बोलते रहते हैं। पूरब से पश्चिम तक मामला एक सा ही है। तभी तो तीन सप्ताह पहले ऑस्कर से सम्मानित बेस्ट डॉक्यूमेंट्री नो अदर लैंड के चार निर्देशकों में से एक हमदान बलाल पर सोमवार को उन्हीं के गांव में इजरायली सेना का हमला हो गया। अगले दिन जब उन्हें रिहा किया गया तब उनके सर और शरीर पर चोटों के निशान थे। 'नो अदर लैंड' के चार निर्देशकों में से दो फिलीस्तीनी हैं और दो इजराइली। चार सह निर्देशकों- बासल अद्रा, हमदान बलाल, युवाल अब्राहम और राहेल सोर की बनाई पहली ही डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर जीता है और पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बन गई है। नो अदर लैंड डॉक्यूमेंट्री के जरिये इन चारों का मकसद था कि साथ में उनकी आवाज ज्यादा बुलंद होगीय और ऐसा हुआ भी।

ऑस्कर समारोह में जब इजरायली पत्रकार युवाल अब्राहम ने अपने फिलीस्तीनी सह-निर्देशक बासल अद्रा की ओर देख कर कहा-जब मैं बासल को देखता हूं, तो मुझे अपना भाई दिखाई देता है, लेकिन हम समान नहीं हैं। हम एक ऐसे शासन में रहते हैं जहां मैं तो आजाद हूं, नागरिक कानून के अधीन हूं लेकिन बासल सैन्य कानूनों के अधीन है जो उसके जीवन को आए दिन नष्ट करते रहते हैं और वह कुछ नहीं कर सकता। इस बयान ने अभी एक साथ मजबूत आवाज की पैरवी की ही थी कि बलाल पर हमला हो गया और वह चीखता रहा कि मैं मर रहा हूं।ज् ये ताकतें नो अदर लैंड को रिलीज होने भी नहीं दे रहीं और ओटीटी मंच इसे हटाने पर मजबूर कर दिए गए हैं। दरअसल नो अदर लैंड वेस्टलैंड के एक हिस्से मसाफिर (मुसाफिर) यत्ता के गांवों की कहानी है जहां बासल अद्रा पैदा हुआ है। दुनिया के नक्शे पर यह जगह मौजूद है जो सात -आठ गांवों से मिलकर बनी है। इजराइल की सेना इस जगह को फौज के प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। वह इस रास्ते में आने वाले सभी घरों और स्कूलों को बुलडोज कर देना चाहती है। पूरी डाक्यूमेंट्री में सेना के बुलडोजर घर-स्कूल ढहाते नजर आते हैं। घर गिरने के बाद बासल का परिवार गुफाओं में रहने के लिए मजबूर हो जाता है। विरोध करने पर उसके चाचा को घायल कर दिया जाता है। वह अस्पताल में जिन्दगी और मौत के बीच संघर्षरत है। बासल के पास एक कैमरा है और वह सब कुछ शूट करता है। ऐसा लगता है जैसे सेना के हथियार का सामना वह अपने कैमरे से ही कर रहा है। उसका एक ही मकसद है कि उसके इलाके की तकलीफ दुनिया तक पहुंचाए। आखिर यह उसकी जमीन है और उसके पुरखे यहां 1830 से रहते आए हैं। इजराइल के सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने सप्रमाण जानकारी दी है कि वे उनके कब्जे से पहले यहां

> नो अदर लैंड भी बर्लिन फिल्म से सम्मानित होकर ऑस्कर हासिल कर चुकी है लेकिन शांति का संदेश दोनों ओर के स्वार्थी तत्वों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। फिल्म बनाने वालों पर हमले हो रहे हैं। दुनिया के इन लोगों के लिए स्कूल और अस्पतालों से ज्यादा जरूरी सैनिक अड्डे हैं तभी तो हमदान बलाल पर रमजान के महीने में अफ्तार के समय हमला कर दिया जाता है। वह उस दिन मसाफर यत्ता में अपने परिवार के साथ था। मसाफिर यत्ता गाजा में नहीं है, यह वेस्टलैंड में है जहां शासन के लिए इजराइल के मातहत स्थानीय सदस्यों को चुना जाता है।

रहते आए हैं। धीरे-धीरे ही सही उनकी अवाज को इंटरनेट पर बल मिलता है। एक समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी मसाफिर (मुसाफिर) यत्ता आते हैं। फिर वह सड़क नहीं टूटती, मकान खड़े रहते हैं। कुछ दिनों बाद फिर वही भय के हालात बन जाते हैं। डॉक्यूमेंट्री में बासल की मां भी हैं, जो खुद कभी एक्टिविस्ट रही हैं, लेकिन बासल की हताशा और हालात से दुखी हैं। वह दोहराती है कि हमें भी अपनी पहचान चाहिए, हमारे बच्चों को क्यों अच्छी जिन्दगी बसर करने का हक नहीं? दरअसल बासल ने कघनून की पढ़ाई की है लेकिन आर्थिक हालात इस कदर खस्ता हैं कि काम के कोई अवसर नहीं हैं। ऐसे ही एक दिन उसकी मुलाकात इजराइली पत्रकार युवाल अब्राहम से होती है जो सेना के उत्पीड़न को रिपोर्ट करता है। वह फिल्म में भी उसी बात का जिक्र करता है जो उसने ऑस्कर के मंच से कही थी कि-मैं आजाद नागरिक हूं तो मेरा भाई बासल क्यों नहीं? युवाल से बासल पूछता है -आप कौन हैं? मैं पत्रकार हूं। -आप अरेबिक हैं? नहीं, इजराइली हूं।-क्या सच? आप क्या मानव अधिकार वाले हो? हां कुछ ऐसा ही...-क्या आपको लगता है कि आपका देश सही कर रहा है? नहीं, मुझे लगता है यह जुर्म है। सच कहा जाए तो नो अदर लैंड दुनिया के अपनी जमीन से बेदखल कर शरणार्थी बनाए गए तमाम लोगों की कहानी होने के साथ यह इस बात को भी प्रभावी तरीके से बताती है कि लड़ाई जिसके नाम पर लड़ी जा रही है, वे उन हुक्मरानों के साथ नहीं हैं। तभी तो सेना का नुमाइंदा जब युवाल से पूछता है कि तुम यहां क्या कर रहे हो? इनका साथ क्यों दे रहे हो? तब युवाल कहता है क्योंकि यह सब तुम मेरे नाम पर कर रहे हो, नॉट इन माय नेम। उम्मीद जगाने वाली बात तो यह भी है कि फिलिस्तीन की तकलीफ को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज देने वाले कोई और नहीं बल्कि यहूदी हैं। सभी को याद है कि एक इजरायली फिल्म निर्देशक नदाव लैपिड साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय गोवा फिल्म फेस्टिवल में भारत आए थे और उन्होंने द कश्मीर फाइल्स को श्वल्गर प्रोपेगेंडा यानी अश्लील प्रचार कहा था। इजराइली फिल्म निर्देशक की इस टिप्पणी से भारत में तूफान आ गया था क्योंकि यह आलोचना सरकारी मंत्री के सामने हुई थी और नरेंद्र मोदी सरकार ने इस फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लैपिड बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक हैं जिनकी फिल्में बर्लिन और कान फिल्म फेस्टिवल में अवार्ड हासिल कर चुकी हैं। उनकी फिल्म सिनोनिम्स (पर्यायवाची) को प्रतिष्ठित बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन बेयर अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। सिनोनिम्स लैपिड की लगभग आत्मकथात्मक फिल्म है। कथानक का युवा सैनिक इजराइल में जन्मा जरूर है लेकिन वह वहां से भागना चाहता है। वह फ्रांस पहुंचता है। यह दुनिया उसे खुला और उदार महसूस कराती हुई। वह कल्पना करता है कि वह जन्मा चाहे इजराइल में हो, लेकिन फ्रांस का नागरिक बनना चाहता है। मरना भी वहीं चाहता है ताकि उसका पुनर्जन्म फ्रेंच नागरिक के रूप में हो। उसे यह भी लगता है कि इजराइल एक खराब और घिनौनी परिकल्पना पर बना दिया गया देश है। एक ऐसा देश जिसकी ऊर्जा में कुछ कमी है। जिसकी जिंदादिली गायब है। :: एजेंसी

यह नारेबाजी कर्कश है!

कुनबा संभालने की फितरत में वो विरोध को भी जोड़ लेते, इक हम अकेले थक गए इन राहों के मुसाफिर बन कर। क्या सदन की बहस थक गई या सड़क के मुद्दे दूर तलक दिखाई देने लगे। विरोध के कक्ष में हिमाचल की भाजपा ने बता दिया कि अगले चुनाव की दूरी कितनी और उसकी तैयारी कितनी। अलबत्ता इन बाजुओं में पार्टी के अपने अंतरविरोध और नेताओं के समूह भी हैं। कुछ दिन पहले ही रमेश धवाला ने जो भाजपा अपने पक्ष में की, कम से कम उसकी बोली में जो टोली थी, वह पार्टी की हमझोली नहीं। आसान राहें होतीं तो अब तक मुकद्दर के सिकंदर

बदल गए होते, लेकिन आती हुई भाजपा-जाती हुई भाजपा नहीं हो सकती, इसलिए जोश और जश्न की सियासी खुराक के कायल कार्यकर्ताओं का हुजूम बताता रहा कि इन करवटों में कोई सौदेबाजी नहीं।

बहरहाल कांग्रेस में सरकार का रुतबा सदन तक तो दिखा, लेकिन अब सड़क पर विपक्ष की शक्ति का प्रदर्शन है। इस सड़क पर गड्ढे हैं, तो भरने के लिए भाजपा के आरोप खनन की रेत में मिट्टी मिला रहे हैं। नारेबाजी कर्कश है, तो विरोध की भाषा विराम लगाने के लिए कांग्रेस का संगठन अपने 'संगठन' की परिक्रमा में किसे बचा, किसे आजमा रहा है। अपने रास्ते माप रही भाजपा ने सदन की बहस में खुद को छुपा लिया या नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कमोबेश वही आरोप खोज लिया, जिसकी बिना पर लोकसभा अध्यक्ष के संवैधानिक आचरण पर एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने विरोध दर्ज किया था। बहरहाल सदन से वाकआउट का कारण बड़ा था या चौड़ा मैदान पर भाजपा के विरोध में पार्टी विधायकों का शामिल होना कहीं अधिक जरूरी था। देखना यह है कि हिमाचल की पलकें सदन में किसे मंजूर करती हैं या चौड़ा मैदान भाजपा के गुस्से में खुद को कबूल करता है। जो भी हो 'कच्ची गलियों में भी भीड़ निकल आती है, गर मंजिल के निशान सफर पे निकल आएं।' बहस में बहिर्गमन या बहस में विरोध के नजारों ने गुरुवार को हिमाचल को सदन के मुकाबले चौड़ा मैदान में देखने का प्रयास किया या अब यही दस्तूर रहेगा कि लोकतंत्र केवल सत्ता के हमाम में नंगा होता रहेगा। भाजपा की रैली हम बनाम तुम की सियासत ने जो सुर छेड़े हैं, वहां पार्टियों के भीतर संगठनात्मक ताकत का फैसला होगा। कहना न होगा कि भाजपा की ओर से प्रदेशाध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने यह साबित कर दिया कि वह जश्न में, हर कथन में फिलवक्त कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पर भारी हैं। चौड़ा मैदान के मुकाबले अब सत्तारूढ़ दल को अपनी चौड़ाई बतानी होगी या अध्यक्ष पद की सीट बचानी है, यह देखना बाकी है। यह राजनीति भी समय-समय के तर्कों की कहानी है। कांग्रेस पूर्व विधायक बंबर ठाकुर जिस विधानसभा परिसर में प्रेस ब्रीफिंग करके संवैधानिक मर्यादा में फंसे, उसी के पक्ष में कानून व्यवस्था की नकेल, भाजपा रैली के हाथ आ गई। नारों ने लिख डाली इक हकीकत, मगर कल जब तुम थे तो यही रेत किस छननी से बाहर निकल गई। भाजपा ने माफिया की निशानदेही में ट्रांसफर, शराब, खनन, चिट्टा, वन, भ्रष्टाचार और मित्रों तक को शामिल किया है, तो हकीकत की गलबहियों में आखिर अब सियासी सदाचार है कहां। हम तो यही देख रहे हैं कि सड़क प्रस्तावना तब होती है, जब आसपास की सड़क बिक जाती है। ठेकेदारी की प्रथा अब सियासत की सीढ़ी है, हर कहीं कोई कार्यकर्ता ठेकेदार निकल आता है। ठेकेदार बड़ा ठेकेदार और फिर सियासी पूंजीनिवेश से नेता और इसी के नेतृत्व में जमीन खरीदी और बेची जाती है। अतः प्रदेश में भू माफिया के पंजे राजनीति के हर पक्ष पर सवार हैं। रैली ने आगे बढ़ कर विधानसभा कितनी घेर ली, इससे पहले सवाल यह कि मेरा बनाम तेरा ऋण करते-करते, यह प्रदेश देश में कुख्यात हो चुका है। यह इसलिए भी कि अगर एक सरकार राज्य की चादर में पांव समेट रही है, तो विपक्ष के लिए यही खामी प्रचार का इंतजाम कर रही है।

अभिव्यक्ति की आजादी पर कभी सख्त तो कभी नरम सुप्रीम कोर्ट

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम राहत के बाद विभिन्न क्षेत्रों से मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। यह मामला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सांप्रदायिक सौहार्द, और न्यायिक प्रक्रियाओं के बीच संतुलन को लेकर महत्वपूर्ण बहस का केंद्र बन गया है। बता दें 21 जनवरी 2025 को, सुप्रीम कोर्ट ने इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात के जामनगर में दर्ज एफआईआर पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह एफआईआर उनके द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक वीडियो क्लिप को लेकर दर्ज की गई थी, जिसमें बैकग्राउंड में 'ऐ खून के प्यासे बात सुनो' कविता चल रही थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि यह कविता भड़काऊ है और सांप्रदायिक तनाव बढ़ा सकती है। कुछ विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की आलोचना यह तर्क देते हुए की कि न्यायपालिका को ऐसे मामलों में सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए जहां सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या यह निर्णय कानून के समक्ष सभी के लिए समानता के सिद्धांत के अनुरूप है। उधर, कानूनी विशेषज्ञों ने सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना है। उन्होंने कहा कि यह मामला पुलिस और न्यायपालिका के लिए एक संकेत है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मामलों में संवेदनशीलता और समझ की आवश्यकता है। इसी तरह से कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने

> अदालत के फैसले इस संतुलन को स्थापित करने का प्रयास करते हैं, हालांकि इन निर्णयों पर विभिन्न दृष्टिकोणों से बहस और आलोचना होती रही है। इससे इतर सुप्रीम कोर्ट अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर कभी काफी सख्त को कभी बेहद नरम नजर आता है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को भले ही सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई हो,लेकिन वह विवादित शेरों शायरी से सुर्खियां बटोरते रहते हैं।

इमरान प्रतापगढ़ी के समर्थन में आवाज उठाई, यह कहते हुए कि उनकी कविता का उद्देश्य अहिंसा और प्रेम का संदेश देना था, न कि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना। उन्होंने यह भी कहा कि कला और साहित्य को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। बात सोशल मीडिया की कि जाये तो यहां पर जनता की प्रतिक्रियाएं मिश्रित रहीं। कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का समर्थन किया, जबकि अन्य ने चिंता व्यक्त की कि इस तरह के निर्णय सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं। दरअसल, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(एं) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। हालांकि, यह अधिकार पूर्णतः असीमित नहीं है; अनुच्छेद 19(2) के तहत, राज्य को कुछ निश्चित परिस्थितियों में इस स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार है, जैसे कि देश की संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अदालत की अवमानना, मानहानि, या अपराध के लिए उकसाना। 2016 में, सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत आपराधिक मानहानि कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा और न्यायमूर्ति प्रफुल्ल सी पंत की खंडपीठ ने निर्णय दिया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं है और इसे दूसरों की प्रतिष्ठा के अधिकार के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा,'हमने माना है कि दंडात्मक प्रावधान संवैधानिक रूप से वैध हैं। अभिव्यक्ति की आजादी कोई असीम अधिकार नहीं है।' बहरहाल, यहां यह भी याद रखना चाहिए कि 2020 में इसी सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण को उनके दो ट्वीट्स के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया, जिनमें उन्होंने न्यायपालिका की आलोचना की थी। इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई, जिसमें इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरनाक प्रभाव डालने वाला बताया गया। ह्यूमन राइट्स वॉच ने इस निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि इससे न्यायपालिका की वैध आलोचना पर खौफनाक असर पड़ सकता है। जनवरी 2023 में, सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने निर्णय दिया कि किसी मंत्री द्वारा दिए गए बयान को सरकार का आधिकारिक बयान नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई अतिरिक्त पाबंदी की आवश्यकता नहीं है। यह मामला उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मंत्री आजम खान के एक बयान से संबंधित था, जिसमें उन्होंने एक आपराधिक घटना को राजनीतिक साजिश बताया था। लब्बोलुआब यह है कि सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों से स्पष्ट होता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन यह पूर्ण नहीं है और इसे अन्य अधिकारों और समाज के हितों के साथ संतुलित किया जाना आवश्यक है। :: चर्चित डेस्क

आज का राशिफल

मेष:- परिवार की छोटी-छोटी बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृषभ:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन:- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क:- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कार्यों में आलस्य का त्याग करें।

सिंह:- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

तुला:- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक:- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुम्भ:- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन:- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा।

राशि रत्न

लेखपाल युवती को चार माह से दे रहा था शादी का झांसा, रिपोर्ट दर्ज

हरपालपुर/हरदोई, चसं। सवायजपुर तहसील के हरपालपुर हल्के में तैनात लेखपाल राहुल शुक्ला पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया गया है। कोतवाली क्षेत्र के मलौथा गांव निवासी रत्नेश चंद्र मिश्रा ने हरपालपुर कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि चार माह पहले उसने अपनी पुत्री प्रिया मिश्रा की शादी की बात सवायजपुर तहसील में तैनात लेखपाल राहुल मिश्रा के साथ तय की थी। दहेज में पॉच लाख नगद दिए जा चुके हैं। जबकि 15 लाँख रुपए देना शेष रह गया था। आरोप है। कि लेखपाल राहुल शुक्ला अपनी बहन की शादी कर देने के बाद प्रिया से शादी करने का झांसा देकर उनके घर आता जाता रहा। वह फोन पर बातचीत व व्हाट्सएप पर चैटिंग भी करता रहा। जिसकी रिकॉर्डिंग उसके पास मौजूद है।युवती के पिता ने बताया कि उसके कोई पुत्र नहीं है। दो बेटियाँ हैं। आरोप है कि लेखपाल उसकी पूरी संपत्ति अपने नाम बैनामा कराना चाहता था।

भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर-घर पहुंची जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा घर-घर जनसम्पर्क अभियान प्रारम्भ किया गया है।

इसी क्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती पीके वर्मा ने हरदोई नगर मंडल अंतर्गत शक्ति केंद्र गंगा देवी के बूथ संख्या 241, नई बस्ती एवं रेलवेगंज मे पार्टी पदाधिकारियों, जिला पंचायत सदस्यगण एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क कर सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के पत्रक वितरित किये। इस अवसर पर नगर वासियों को भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ उठाने हेतु जागरूक करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व मे उत्तर प्रदेश आर्थिक सशक्तिकरण एवं समृद्धि के नए मानदंड स्थापित कर रहा है। भाजपा सरकार के विकास कार्यों को गति प्रदान करने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा हरदोई नगर मे जनसम्पर्क कर प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित भाजपा सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों को जनसामान्य तक पहुँचाया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष मुदित बाजपेई, जिला पंचायत सदस्य सचिन मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य विशाल सेठ, नगर महामंत्री पंकज सिंह, महामंत्री आशीष शुक्ला, उपाध्यक्ष योगेन्द्र पाल सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक शशि कांत पांडेय, शक्ति केंद्र प्रवासी गौरव शुक्ला, सभासद पुनीत मिश्रा, बूथ अध्यक्ष आशुतोष शुक्ला, अमन सिंह व देवेश गुप्ता उपस्थित रहे।

महिला ने लगाया ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने का आरोप

शाहाबाद/हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बरुआ बाजार निवासी महिला ने अपनी ससुराल पक्ष के लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू की है।पीड़िता मीना पत्नी श्याम कुमार के अनुसार उसके दिल्ली में रह रहे देवर विनोद ने उसके पति की गैरमौजूदगी में दीवार उठा ली।उसने जब लिंटर खराब होने पर उसे तुड़वाकर दोबारा डलवाना चाहा तो विपक्षी ने एक तरफ की दीवार पर अपना कब्जा कर लिया और उसे लिंटर नहीं डालने दिया।विपक्षी अपने भाई मनोज कुमार और देव कुमार को उसके विरुद्ध भड़का कर आए दिन विवाद करवाता है।

मनोज कुमार सजा याफ्ता होने की वजह से उसे व उसकी पुत्री को जान से मार डालने की धमकी देता है।उसे भय है विपक्षी एक राय होकर उसकी और पुत्री की हत्या कर देंगे। कोतवाली पुलिस ने पीड़िता की तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय सेमीनार, कॉन्फ्रेन्स, वर्कशॉप प्रदर्शनी तथा किसान मेला सम्पन्न

हरदोई, चसं। कृषि विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय कृषि विकास, पान विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत दो दिवसीय सेमीनार, कान्फ्रेन्स, वर्कशाप, प्रदर्शनी तथा किसान मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती पीके वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। गोष्ठी मे किसानों को पान की खेती करने के प्रति जागरूक करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश में विभिन्न योजनाएं संचालित कर कृषकों के खुशहाल जीवन का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। आज इस कार्यक्रम के माध्यम से जनपद हरदोई एवं बाराबंकी मे किसानों को पान की खेती प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम मे अध्यक्ष प्रेमावती ने पान की खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन स्वरुप प्रतीकात्मक चेक व् अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम आयोजक जिला उद्यान अधिकारी सुभाष चन्द्रा, सहायक उद्यान निरीक्षक अजय कुमार वर्मा, कृषि वैज्ञानिक डॉ. डीबी सिंह सहित जनपद हरदोई एवं बाराबंकी के किसान एवं उद्यान विभाग के सदस्य उपस्थित रहे।

चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के कार्य के लिये धनराशि आवंटित

हरदोई, चसं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल के प्रयासों से लखनऊ मंडल के अंतर्गत हरदोई में बिलराया-पनवाड़ी मार्ग के किमी 161 में स्थित इटौली पुल से मोहीपुरी भदारा होते हुए खेतुई स्थित बालाजी मंदिर तक मार्ग की महत्वता को समझते हुए उसके चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य हेतु कुल लागत रुपए 1491.97 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनुदान सं.-58 के लेखाशीर्षक-5054 के अंतर्गत राज्य सड़क निधि से कुल रुपए 72.86 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का हृदय से आभार जनता ने किया है।

इससे क्षेत्र के लोगों का आवागमन तो आसान होगा ही साथ में वहां के लोगों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। समस्त जिले वासियो ने मुख्यमंत्री व आबकारी मंत्री का धन्यवाद दिया। रामप्रकाश शुक्ला ,टिंकू त्रिवेदी, प्रियम मिश्रा, प्रदीप पाठक, अमित दीक्षित, अजीत आशा, अंशुमान सिंह, प्रदीप गुप्ता, गोल्डी गुप्ता, गौरव शुक्ला मोनू, दिवाकर, हिमांशु गुप्ता, बाला जी आदि लोग मौजूद रहे।

नालंदा शिक्षण संस्थान में आयोजित हुआ पुरस्कार वितरण समारोह

शाहाबाद/ हरदोई, चसं। क्षेत्र के नालंदा शिक्षण संस्थान, शाहाबाद में कक्षा नर्सरी से कक्षा छह तक के छात्र छात्राओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक डॉ.सोम शेखर दीक्षित, डॉ. शुभ्रा दीक्षित विद्यालय के शिक्षा प्रमुख प्रखर दीक्षित तथा प्रधानाचार्य मनु कुमार शुक्ल के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके सरस्वती वंदना के साथ किया गया।इस सत्र में शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की शैक्षिक गतिविधियों अन्तर्गत विशेष श्रेणियों में चयनित छात्र छात्राओं को विद्यालय के प्रेक्षागृह में पुरस्कार स्वरूप स्कॉलर कैप, पदक एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।छात्र छात्राओं की कक्षा में अधिकतम उपस्थिति, रीडर, राइटर,प्रॉपर ड्रेस सहित विभिन्न श्रेणियों में नर्सरी से कक्षा छह तक के छात्रों मे रिद्धि, सिद्धि, अंशिका, हसन अली, जियान खान, तय्यब खान, अनुष्का सिंह, नित्या सिंह अब्दुल्ला जीशान, प्रगति गुप्ता, माही गुप्ता, पल्लवी गुप्ता,रिद्धि शर्मा, पीहू प्रजापति, अमरा नोमान,अर्पित नित्या, निष्ठा, शिवन्या शर्मा, पल्लवी, रिद्धि, अनंत, पीहू प्रजापति, आराधना, श्रेया आदि बच्चों को सराहनीय प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सोम शेखर दीक्षित ने सभी छात्रों का शाबाशी देते हुए कहा बच्चों की शिक्षा में शिक्षकों के साथ- साथ अभिभावकों का सहयोग अत्यधिक आवश्यक हैं। प्रत्येक अभिभावक को अपनी दिनचर्या में कुछ समय बच्चों के लिए अवश्य शामिल करना चाहिए तथा बच्चों द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा करना चाहिए बच्चों को उनकी गलती पर डांटने के बजाए समझाना चाहिए। साथ ही माता-पिता को प्रत्येक अभिभावक सभा व अन्य अवसरों पर विद्यालय आकर शिक्षकों से भेंट करनी चाहिए और बच्चों को अनुशासन, समय का पाबंद व विद्यालय में उपस्थिति के बारे में सचेत करना चाहिए। डॉ शुभ्रा दीक्षित ने सभी बच्चों की प्रशंसा करते हुए ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिलता है। शिक्षा प्रमुख प्रखर दीक्षित ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा विद्यालय में समय समय पर बच्चों को इस तरह मंच पर सम्मानित करने के प्रति हमारा उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को और अधिक निखारना है। प्रधानाचार्य मनु कुमार शुक्ला ने सभी बच्चों को उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी अभिभावकों का समारोह में आने के लिए धन्यवाद किया।कार्यक्रम में लगे सेल्फी स्टैंड पर सभी बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ खूब तस्वीर खिंचवाई।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर खद्दीपुर चैन सिंह ने पाया राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र

हरपालपुर/हरदोई, चसं। विकास खंड की बेड़ीजोर ग्राम पंचायत के खद्दीपुर गॉव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र में जगह बनाई है। हरपालपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. आनंद पांडेय ने बताया कि

सीएमओ डां. रोहिताश कुमार के निर्देशन में एचसीएल फाऊंडेशन व स्कूल संस्था के साथ मिलकर सरकार की मंशा के अनुरूप जिले की स्वास्थ्य इकाइयों को एनक्यूएएस सर्टिफाइड करने का कार्य चल रहा है। इसी के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर खद्दीपुर चैन सिंह पर 13 मार्च को असम एवं बिहार की टीम ने आयुष्मान केंद्र का निरीक्षण किया था। जिसमें खद्दीपुर चैन सिंह ने 82.86 प्रतिशत स्कोर प्राप्त कर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। पहले भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर कायाकल्प अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। अधीक्षक ने बताया कि सभी के मिले-जुले प्रयास से ही संभव हो पाया है। इस उपलब्धि के लिए ग्राम प्रधान यतीश सिंह, बीपीएम मनोज तिवारी, आलोक, ज्योति, दीक्षा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्रभारी शिवम मिश्रा ब समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा है। क्षेत्र वासियों के लिए एक सौगात है।अब उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए ब्लॉक मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा। सभी आवश्यक जरूरी चिकित्सा सुविधायें घर के समीप ही प्राप्त हो जाएंगे।

पुलिस के साथ अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वाले तीन पुलिस गिरफ्त में

हरदोई, चसं। जनपद के माधौगंज थाना क्षेत्र के कुरसठ चौकी के मोहल्ला जवाहर नगर में दो पक्षों के विवाद में पहुंची यूपी 112 की पुलिस के साथ अभद्रता कर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।प्राप्त विवरण में 27 मार्च की रात 10.30 बजे डायल-112 पर थाना माधौगंज की चौकी कुरसठ क्षेत्रांतर्गत मोहल्ला जवाहर नगर में दो पक्षों के मध्य विवाद होने की सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना पर डायल-112 पीआरवी 2725 पर नियुक्त आरक्षी गौरव प्रताप सिंह, आरक्षी अर्जुन कुमार, चालक हे0का0 सुधीर कुमार दुबे द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी की जा रही थी इसी दौरान ओमकार उर्फ ओमप्रकाश पुत्र राजेश, सुंदर पुत्र शंभू और पप्पू पुत्र मनोहर निवासीगण मोहल्ला जवाहरनगर थाना माधौगंज सहित सात लोगों द्वारा पुलिस कर्मियों के साथ अपशब्दों का प्रयोग करते हुए कार्य सरकार को बाधित किया गया। इस सम्बन्ध में आरक्षी गौरव प्रताप की तहरीर के आधार पर थाना पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की।थाना माधौगंज के उपनिरीक्षक शिव नारायण व पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से संबंधित नामजद ओमकार उर्फ ओमप्रकाश पुत्र राजेश, सुंदर पुत्र शंभू और पप्पू पुत्र मनोहर को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का होली मिलन और शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण एवं होली मिलन समारोह श्रीश चंद्र अग्रवाल बारात घर मे वृहद रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम में मंचासीन प्रदेश अध्यक्ष शमुकुन्द स्वरूप मिश्र, प्रदेश पदाधिकारी श्याम मोहन दुबे, राजेन्द्र गुप्ता प्रदेश महामंत्री,राम जी अग्रवाल, कपिल जी,प्रदेश संगठन मंत्री अजय कुमार टंडन, सी0ओ0 सिटी अंकित मिश्र, संरक्षक राज वर्धन श्रीवास्तव, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण शास्त्री, निरमा देवी, प्रदीप गुप्ता, अवध बिहारी मिश्र,अविनाश चंद्र गुप्ता, डॉक्टर चित्रा मिश्र,अपर जिला जज श्री मती श्रद्धा तिवारी,बिंदु सिंह आदि उपस्थित रहे।

व्यापारी भाइयों को व्यापारी हितों में निरंतर संघर्ष करने एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने की शपथ दिलाई। पिहानी नगर अध्यक्ष आदर्श सिंह, बेनीगंज नगर अध्यक्ष लव कुमार मिश्रा महामंत्री दिलीप मिश्र, नगर अध्यक्ष कैलाश गुप्ता, महामंत्री रजनीश गुप्ता, पाली से अध्यक्ष श्याम मोहन मिश्र, युवा नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव महामंत्री प्रखर मिश्र आदि ने शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरदोई जिलाध्यक्ष विमलेश दीक्षित ने की एवं आये हुए सभी सदस्य एवं पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अपूर्व महेश्वरी और सतेंद्र गुप्त ने किया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री अशोक उपाध्याय, जिला महामंत्री राजन द्विवेदी, प्रदेश युवा मंत्री विभु गुप्ता, जिला युवा अध्यक्ष अबनिष त्रिवेदी, आईटी सेल कोषाध्यक्ष अनुराग शुक्ल, जिला उपाध्यक्ष सज्जन अवस्थी, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, महिला जिलाध्यक्ष बिंदु सिंह, रीना गुप्ता, अनुराधा मिश्रा, श्रीमति बबली दीक्षित आदि उपस्थिति रहे।कार्यक्रम की जानकारी आईटी सेल जिलाध्यक्ष भरत पाण्डेय द्वारा दी गयी।

कलेक्ट्रेट परिसर में बनेगी श्री अन्न व मिलेट कैंटीन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह कलेक्ट्रेट परिसर के अधिवक्ता चैम्बर क्षेत्र का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि परिसर में वाहनों को निर्धारित स्थान पर खड़ा किया जाये। उन्होंने परिसर में श्री अन्न व मिलेट की कैंटीन के लिए उपयुक्त स्थानों को देखा तथा चिन्हित विकल्पों में से उपयुक्त विकल्प चुनने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसर में साफ सफाई का उचित ध्यान रखा जाये। उन्होंने कहा कि परिसर में निर्माणाधीन प्रतीक्षालय शेड का काम तेजी से कराया जाये। एक अन्य प्रतीक्षालय शेड के लिए उपयुक्त स्थान की तलाश की जाये। परिसर में अनधिकृत रूप से लगी हुई दुकानों को हटाया जाए। इस अवसर पर सम्बंधित अधिकारी व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सदस्य उपस्थित रहे।

प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आयोजन की तैयारियों के लिये भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक सम्पन्न

हरदोई, चसं। भारतीय जनता पार्टी सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं इसी के क्रम में जिला स्तर पर प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन आयोजित होना है जिसकी तैयारियां हेतु भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने बैठक कर सम्मेलन की योजना रचना बनाई। यह सम्मेलन 9 अप्रैल को पार्टी कार्यालय के सभागार में संपन्न होगा। बैठक में उन्होंने कहा ,भाजपा की जनकल्याण नीतियों और योजनाओं का प्रतिफल है, समाज का हर वर्ग इससे लाभान्वित होकर भाजपा के साथ जुड़ा है। आज महिला, युवा, गरीब, किसान, व्यापारी सभी वर्गों का विश्वास भाजपा के साथ इसलिए है क्योंकि उत्तर प्रदेश को भय मुक्त भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त वातावरण मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विजन पर चलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार सबको साथ लेकर चलते हुए विकास के पथ पर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हरदोई को पिछड़े जिलों में गिना जाता था, आज वही जिला औद्योगिकीकरण के सफलतम आयाम स्थापित करते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है। विपक्ष पार्टियों की विकास विरोधी राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस जैसे दलों ने युवाओं के भविष्य को रौंद कर खुद के परिवार को आगे बढ़ाया। प्रदेश में माफियाओं को संरक्षण देकर कानून के राज को ध्वस्त कारण का काम किया गया। आज उन्हीं के पाले हुए माफियाओं पर कानून का शिकंजा कस रहा है तो सब बिलबिलाने लगे है। देश और प्रदेश की जनता को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के जगह उसे जात पात के नाम पर बहकाकर बांटने में लगे हुए है। भारतीय जनता पार्टी के इन कार्यों को बुद्धिजीवी वर्ग समाज के बीच गहराई तक ले जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री अनुराग, जिला मंत्री अविनाश, जिला मीडिया प्रभारी गागेश, आईटी प्रमुख सौरभ, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अविनाश, गीत सिंह गौर, अंबुज, अशोकू, संदीप, सुनील, अरुण, आशुतोष समेत कई लोग मौजूद रहे।

क्षेत्र में समुचित सफाई व्यवस्था कराते हुए प्रतिदिन एंटीलार्वा दवाओं का छिड़काव कराना सुनिश्चित करें : मधुर मिश्रा

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाना है, इस संबंध में अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद सुख सागर मिश्र मधुर की अध्यक्षता में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अधिशासी अधिकारी रामेंद्र सिंह, सभासद धर्मरुचि सिंह, जमील अहमद, सभासद प्रतिनिधि राम नारायण कुशवाहा, छुनक्की तिवारी, पूर्व सभासद आदेश सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष जी द्वारा समस्त सफाई को निर्देशित किया गया कि वह अपने अपने क्षेत्र में समुचित सफाई व्यवस्था कराते हुए प्रतिदिन एंटीलार्वा दवाओं का छि?काव कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अधिशासी अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वार्डों में रोस्टर के अनुसार फॉगिंग का कार्य कराया जाएगा। अध्यक्ष जी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वह अपने घरों में गमलों, कूलर आदि कही पर भी जलभराव न होने दे, जिससे डेंगू, मलेरिया आदि जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव किया जा सके।

तालाब में खड़ी 14 बीघे गेहूं की फसल नीलाम

- 1 लाख 40 हजार रुपए में हुई नीलामी

खबर का असर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शाहाबाद/ हरदोई। शाहाबाद तहसील क्षेत्र के ब्लॉक टोडरपुर की ग्राम पंचायत पिस्तिया में मछली पालन के लिए आवंटित तालाब में खड़ी गेहूं की 14 वीघा फसल एसडीएम के निर्देश पर शनिवार को तहसील में खुली बोली में नीलाम कर दी गई।इस खबर को चर्चित राजनीति ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा एक लाख चालीस हजार रुपए में फसल को लिया गया। पिस्तिया गांव में मछली पालन के लिए तालाब का पट्टा मछली पालन समिति के नाम किया गया। लेकिन चालाक लोगों ने मछली पालन के बजाय उस तालाब में गेहूं और सरसों की फसल बो दी।

प्रधान सत्यपाल गुप्ता के हस्तक्षेप के बाद भी पूर्व प्रधान देवी दयाल ने अपने मुंह लगे लोगों को फसल बुआ दी। तालाब में गेहूं की फसल बुआने में क्षेत्रीय लेखपाल ने मुख्य भूमिका निभाई। प्रधान सत्यपाल गुप्ता द्वारा शिकायत किए जाने के बाद एसडीएम दीक्षा जोशी पिस्तिया गांव पहुंची और उन्होंने फसल तथा तालाब की पैमाइश कराई। सत्यपाल गुप्ता ने एसडीएम के निर्देश पर गांव में मुनादी कराई। शनिवार को दोपहर 1 बजे 14 बीघा गेहूं और सरसों की फसल को नीलाम कर दिया गया। गांव के ही इरफान पुत्र अब्दुल्ला नाम के व्यक्ति ने 1 लाख 40 हजार रुपए में तालाब में खड़ी इस फसल को अपने नाम करवा लिया। ठीक इसी तरह से तमाम ग्राम पंचायतों में लेखपालों कानूनगो की मिली भगत से तालाबों, चरागाहों, खलिहानों, नालों आदि की जमीनों पर नाजायज मकान बने हैं और फसलें खड़ी हैं।

टीबी उन्मूलन में अच्छा कार्य करने वाले 155 ग्राम प्रधानों को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2024 में चयनित टीबी मुक्त 155 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया।

संडीला, सांडी, हरपालपुर व माधोगंज विकास खण्ड में टीबी उन्मूलन में अच्छा कार्य करने पर सराहना की। उन्होंने इन विकास खण्डो के अधीक्षकों को सम्मानित किया। सिरौली के ग्राम प्रधान को लगातार ग्राम को टीबी मुक्त रखने पर रजत पदक व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह की शुरुआत जिलाधिकारी ने एक महिला प्रधान के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर की। दो टीबी चौम्पियन कोथावां के साहुल कुमार व गोल्डी राजपूत को सम्मानित किया। सबसे अधिक टीबी मरीजों को गोद लेने वाले लोगों व संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के अन्त में जिलाधिकारी ने कुछ टीबी मरीजों को पोषण पोटली भी दी।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार व सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तीन महीनों में सोने में 16 फीसदी से ज्यादा की बढ़त

मुम्बई, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल जारी है। वैश्विक बाजार में सोना पहली बार 3100 के पार पहुंचा, हालांकि वर्तमान में इसका भाव 3090 के करीब चल रहा है। बीते दिन सोने की कीमतों में 50 का उछाल देखा गया। एमसीएक्स पर सोना ₹88,800 प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच चुका है, जो रिकॉर्ड ऊंचाई से मात्र 1,000 दूर है। बीते तीन महीनों में एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में 16% से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वैश्विक बाजार में चांदी 2013 के बाद पहली बार 35 के पार चली गई है। वहीं, घरेलू बाजार में भी चांदी ने 1 लाख प्रति किलोग्राम का आंकड़ा पार कर लिया है। एमसीएक्स पर इसका भाव 1,01,520 के करीब बना हुआ है। एमसीएक्स पर गोल्ड का भाव 89,060 रुपए प्रति 10 ग्राम की चल रहा है, जोकि कल 88,384 रुपए पर बंद हुआ था। सिल्वर फ्यूचर्स 1,01,938 रुपए प्रति किलोग्राम के रेट पर है, कल का बंद भाव 1,01,313 रुपए था। गोल्ड और सिल्वर का प्राइस आप मिस्ड कॉल से भी चेक कर सकते हैं। 22 कैरेट और 18 कैरेट गोल्ड की कीमत जानने के लिए आप 8955664433 पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं। कुछ ही देर में आपको एसएमएस के जरिए रेट की जानकारी मिल जाएगी। वहीं, अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सुबह और शाम के गोल्ड रेट अपडेट जान सकते हैं।

पीएसी मध्य जोन पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 32वीं वाहिनी का दबदबा

लखनऊ, चसं। सरोजनी नगर के कानपुर रोड स्थित 32वीं वाहिनी में आयोजित पीएसी मध्य जोन भारोत्तोलन कलस्टर प्रतियोगिता-2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को पावरलिफ्टिंग में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। 32वीं वाहिनी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 59 किग्रा भार वर्ग में 32वीं वाहिनी के अरविंद चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। 66 किग्रा वर्ग में भी 32वीं वाहिनी के रोहित जायसवाल ने स्वर्ण जीता। इसी वर्ग में 26वीं वाहिनी गोरखपुर के सुमित कुमार दूसरे और 35वीं वाहिनी लखनऊ के अभिषेक मौर्य तीसरे स्थान पर रहे। 74 किग्रा वर्ग में 32वीं वाहिनी के मोहित अहिरवार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें सर्वश्रेष्ठ शक्तितोलक का खिताब भी मिला। इस वर्ग में 35वीं वाहिनी के राहुल कुमार यादव और 25वीं वाहिनी रायबरेली के रजत वर्मा क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। 83 किग्रा वर्ग में 26वीं वाहिनी गोरखपुर के आनंद कुमार यादव ने स्वर्ण जीता। 93 किग्रा वर्ग में 32वीं वाहिनी के सिद्धांत यादव प्रथम रहे। 105 किग्रा वर्ग में 10वीं वाहिनी बाराबंकी के रणजीत यादव ने स्वर्ण पदक हासिल किया। कार्यक्रम में 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के उपसेनानायक अरुण कुमार सिंह और प्रथम वाहिनी विशेष सुरक्षा बल के उपसेनानायक वीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का समापन समारोह 29 मार्च शनिवार को शाम 5 बजे 32वीं वाहिनी पीएसी के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा।

केकेआर और एलएसजी के बीच मुकाबले का शेड्यूल बदला, अब 8 अप्रैल को होगा मैच

कोलकाता, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच होने वाले मैच नंबर 19 की तारीख को बदल दिया है। यह मुकाबला पहले 6 अप्रैल 2025 को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाना था, लेकिन अब इसे 8 अप्रैल को दोपहर 3.30 बजे के लिए शेड्यूल किया गया है। आईपीएल की तरफ से जारी की गई प्रेस रिलीज में इस बदलाव की वजह कोलकाता पुलिस की ओर से की गई सिफारिश को बताया गया है। पुलिस ने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) को सूचित किया था कि शहर में त्योहारों के कारण सुरक्षा बलों की तैनाती प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से बीसीसीआई ने इस मैच को दो दिन आगे बढ़ाने का फैसला किया है। अब 6 अप्रैल को अब सिर्फ एक मैच खेला जाएगा, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें शाम 7.30 बजे आमने-सामने होंगी। वहीं 8 अप्रैल को डबल हेडर होगा। पहले दोपहर 3.30 बजे कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मुकाबला होगा, और फिर शाम 7.30 बजे पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमें न्यू चंडीगढ़ में भिड़ेंगी। गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने पहले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को हराकर शानदार वापसी की। अब उनका तीसरा मुकाबला मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ होगा, जहां वे जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर रहा देश का कोयला क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, देश का कोयला क्षेत्र 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। 11 दौर में 125 कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। इससे लगभग 40,900 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है और 4 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं।

कोयला मंत्रालय ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों में अब वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी की 12वीं किस्त शुरू की है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि 12वीं किस्त के साथ, अतिरिक्त 28 कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों की नीलामी की जा रही है, जिससे आयातित कोयले पर भारत की निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा। मंत्री ने कहा, नीलामी की पारदर्शी प्रक्रिया ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों को प्राइवेट प्लेयर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित किया गया है, परिणामस्वरूप अधिक दक्षता, सुधार को बढ़ावा मिला है। यह बदलाव भारत के कोयला क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को भी बढ़ाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आईपीएल : गुजरात को नसीब हुई पहली जीत

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में शनिवार को साई सुदर्शन ने मुंबई इंडियंस के विरुद्ध 41 गेंदों पर 63 रन की पारी खेली। कप्तान शुभमन गिल ने उनका साथ दिया और 38 रन बनाए। दोनों की इस पारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने 196/8 स्कोर किया और मुंबई के सामने 197 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में मुंबई ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 160 रन बनाए और 36 रन से इस मुकाबले को गंवा दिया। मुंबई की यह लगातार दूसरी हार है। वहीं 18वें सीजन में गुजरात टाइटंस की जीत का खाता खुल गया है। एक मैच का निलंबन झेलने के बाद वापसी कर रहे मुंबई के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। अब तक सभी मैचों में टॉस जीतने वाले कप्तानों ने गेंदबाजी चुनी और रात में ओस को देखते हुए हार्दिक ने भी गेंदबाजी चुनने में परहेज नहीं किया, लेकिन इस सीजन में गुजरात की नई ओपनिंग जोड़ी गिल और सुदर्शन ने मुंबई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने पहले आठ ओवर में 75 रन जोड़ डाले।

शुभमन गिल को अहमदाबाद का यह मैदान कितना रास आता है, यह किसी के छुपा नहीं है। इस मैदान पर गिल ने हर प्रारूप में शतक लगाया है। शनिवार को चाहर के ओवर में चौके के साथ ही शुभमन गिल ने इस मैदान पर 1000 आईपीएल रन भी पूरे कर लिए। गिल ने 20 पारियों में इस आंकड़े को छुआ। सबसे कम पारियों में एक मैदान पर 1000 रन का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 19 पारियों में एक हजार रन बनाए थे। अच्छी लय में दिख रहे गिल यहां हार्दिक पांड्या की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में कैच दे बैठे। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ पारी को आगे बढ़ाया और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े, लेकिन बटलर यहां मुजीब की फिरकी में फंस गए और वाइड गेंद को खेलने के प्रयास में विकेटकीपर रिकलटन को कैच दे बैठे। हालांकि एक छोर पर सुदर्शन ने मोर्चा संभाले रखा और स्कोर को आगे बढ़ाना जारी रखा। एक समय गुजरात की टीम आसानी से 200 के पार पहुंचती दिख रही थी। 17वें ओवर में बोल्ट ने सुदर्शन को पगबाधा आउट किया, जिसके बाद गुजरात की पारी लड़खड़ा गई। लगातार तीन गेंदों पर विकेट गंवाए। बोल्ट के ओवर की अंतिम गेंद पर सुदर्शन एलबीडब्ल्यू हुए थे, तो चाहर के ओवर में पहले तेवतिया रन आउट हुए उसके बाद रदरफोर्ड ने खराब शॉट खेलकर सैंटनर को कैच दिया। मुंबई के गेंदबाजों ने अंतिम तीन ओवर में केवल 17 रन दिए और गुजरात की टीम को 200 के पार पहुंचने से रोक दिया। इस मैच में मुंबई के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी हुई और उन्होंने गेंद से कमाल दिखाया। हार्दिक ने विरोधी कप्तान शुभमन गिल और शाहरुख खान का विकेट लिया। हार्दिक ने शाहरुख को वाइड गेंद फेंकी और शाहरुख बाउंड्री पर खड़े तिलक वर्मा के हाथों में शॉ मार बैठे। हार्दिक की अनुपस्थिति में पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी और मुंबई को चेन्नई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। मुंबई इंडियंस की शुरुआत खराब रही और पहले ओवर की चौथी गेंद पर सिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया।

हिटमैन ने 2 चौकों की मदद से 4 गेंदों पर 8 रन बनाए। अपने तीसरे और मुंबई की पारी के 5वें ओवर में सिराज ने रयान रिकेलटन की गिल्लियां बिखेर दीं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 9 गेंदों पर 6 रन की धीमी पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सूर्यकुमार यादव ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर पारी को संभाल। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन भी जोड़े। प्रसिद्ध कृष्णा ने इस साझेदारी में सेंध लगाई और तिलक वर्मा (39) को फिफ्टी बनाने से रोक दिया। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 9वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच टक्कर हुई। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की पारी के 19वें ओवर में गजब की कन्फ्यूजन देखने को मिली। इसका खामियाजा राहुल तेवतिया को भुगतना पड़ा। वह डायमंड डक का शिकार हुए। दीपक चाहर के 19वें ओवर की पहली गेंद लेंथ डिलीवरी थी जिसे शेरफान रदरफोर्ड ने मिड-ऑफ की ओर मारा। नॉन-स्ट्राइकर पर राहुल तेवतिया सिंगल चुराने के लिए उत्सुक थे। ऐसे में वह अपनी क्रीज से कुछ कदम बाहर निकल गए। मिड ऑफ पर मुस्तैद कप्तान हार्दिक पांड्या ने नॉन स्ट्राइकर एंड पर बेहतरीन थ्रो किया और गिल्लियां बिखेर दीं। राहुल तेवतिया ने क्रीज पर वापसी की कोशिश की लेकिन उनका बल्ला टर्फ में फंस गया, इसलिए वह वापस नहीं आ सके। स्टंप पर गेंद लगने के बाद शेरफान रदरफोर्ड रन चुराने के लिए भागे। हालांकि, तेवतिया आश्वस्त थे कि वह रन आउट हो चुके हैं। ऐसे में वह दूसरे छोर पर खड़े रहे। हालांकि, जब उन्होंने देखा कि शेरफान रदरफोर्ड भागकर नॉन-स्ट्राइकर एंड तक आ गए हैं तो उन्होंने भागना शुरू किया। ऐसे में दोनों के बीच गजब कन्फ्यूजन देखने को मिली और वह भागते नजर आए। रिप्ले में भी साफ नजर आया कि तेवतिया रन आउट हो चुके हैं। उन्होंने ना तो कोई गेंद खेली और ना ही कोई रन बनाया। क्रिकेट में जब कोई बल्लेबाज पहली गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट होता है तो तो इसे गोल्डन डक कहते हैं। वहीं अगर बैटर ने किसी भी गेंद का सामना नहीं किया और वह अपना विकेट गंवा बैठा है तो इसे डायमंड डक 0(0) कहा जाता है। इसमें प्लेयर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रन आउट हो सकता है। जैसा कि तेवतिया के साथ हुआ। शेरफान रदरफोर्ड की बात करें तो उन्होंने 11 गेंदों पर 2 छक्कों की मदद से 18 रन की पारी खेली। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 196 रन बनाए।

एक ही मैच में रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि : आईपीएल के 18वें सीजन का 9वां मैच गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा गया। इस मैच में मुंबई इंडियंस की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। मैदान पर उतरते ही रोहित शर्मा ने इतिहास रचा। वहीं, शुभमन गिल ने एक खास उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा अहमदाबाद में अपने टी20 करियर का 450वां टी20 मैच खेलने उतरे। वह सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने के मामले में पहल भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। रोहित के बाद सबसे ज्यादा टी20 मैच

> ■ मुंबई की यह लगातार दूसरी हार 18वें सीजन में गुजरात टाइटंस की जीत का खाता खुला

खेलने के मामले में भारतीय खिलाड़ी के तौर पर दूसरे नंबर पर दिनेश कार्तिक का नाम है, जिन्होंने 412 टी20 मैच खेले हैं। रोहित ने साल 2024 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया को विजेता बनाने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था, जिसके बाद वह अब

> अब तक सभी मैचों में टॉस जीतने वाले कप्तानों ने गेंदबाजी चुनी और रात में ओस को देखते हुए हार्दिक ने भी गेंदबाजी चुनने में परहेज नहीं किया, लेकिन इस सीजन में गुजरात की नई ओपनिंग जोड़ी गिल और सुदर्शन ने मुंबई के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने पहले आठ ओवर में 75 रन जोड़ डाले।

वह टी20 फॉर्मेट में सिर्फ आईपीएल में खेलते हुए दिख रहे हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने के मामले में पहले नंबर पर कीरोन पोलार्ड का नाम है, जिन्होंने कुल 695 टी20 मैच खेले हैं, तो वहीं, रोहित 450 या उससे अधिक टी20 मैच खेलने वाले अब वर्ल्ड क्रिकेट में 12वें खिलाड़ी बन गए हैं। दूसरी तरफ गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने भी एक खास उपलब्धि हासिल की। दरअसल, शुभमन गिल एक वेन्यू पर सबसे तेज 1000 आईपीएल रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने। गिल ने 20 पारियों में यह कमाल किया। उन्होंने डेविड वॉर्नर और शॉन मार्श को पीछे छोड़ा। शुभमन गिल ने 27 गेंद पर 38 रन की पारी खेली। गिल को हार्दिक ने आउट किया।

पानी पिला रहे विदेशी बल्लेबाज की चेन्नई में एंट्री : इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रविवार, 30 मार्च को डबल हेडर मुकाबले खेले जाएंगे। दिन के पहले में दिल्ली कैपिटल्स की टक्कर सनराइजर्स हैदराबाद से होगी। वहीं शाम को होने वाले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। 18वें सीजन का यह 11वां मुकाबला गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नई और राजस्थान को अपने पिछले मैच में हार का मुंह देखना पड़ा था।

ऐसे में रविवार को ऋतुराज गायकवाड़ और रियान पराग कुछ बदलाव के साथ मैदान पर उतर सकती है। चेन्नई की सलामी बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी का बल्ला पिछले 2 मैच से नहीं चल रहा है। ऐसे में उनका पत्ता कट सकता है। राहुल की जगह डेवोन कॉनवे को मौका दिया जा सकता है। डेवोन कॉनवे पिछले 2 मैच से बेंच पर बैठे हैं। उनकी और रचिन रवींद्र को जोड़ी चेन्नई को तेज शुरुआत दिला सकती है। इतना ही ऋतुराज गायकवाड़ सैम करन या मथीशा पथिराना में से किसी एक को बेंच पर बैठा सकते हैं। उनकी जगह मुकेश कुमार को अंतिम 11 में जगह मिल सकती है। रचिन रवींद्र, राहुल त्रिपाठी, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), दीपक हुड्डा, सैम करन, रवींद्र जड़ेजा, एमएस धोनी (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, मथीशा पथिराना, मुकेश कुमार, खलील अहमद। अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को कोलकाता नाइटराइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में जोफ्रा आर्चर ने 2.3 ओवर में 33 रन लुटा दिए थे और कोई विकेट नहीं लिया था। 18वें सीजन के पहले मैच में राजस्?थान का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से हुआ था। इस मैच में भी आर्चर की जमकर पिटाई हुई थी और वह आईपीएल के एक मैच में सबसे ज्यादा रन खर्च करने वाले गेंदबाज बन गए थे। उन्होंने 4 ओवर में 76 रन लुटा दिए थे। ऐसे में अब आर्चर की छुट्टी हो सकती है। उनकी जगह आकाश मधवाल को मौका दिया जा सकता है।

क्या आरसीबी इस साल आईपीएल खिताब जीतेगी, एबी डिविलियर्स के जवाब ने मचा दिया है तहलका : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल में अपनी सबसे बेहतरीन शुरुआत की है। ऐसे में साउथ अफ्रीका के रिटायर्ड खिलाड़ी एबी डिविलियर्स को लगता है कि टीम का संतुलन पिछले सीजनों की तुलना में 10 गुना बेहतर है। रजत पाटीदार की अगुआई में RCB ने शुक्रवार को चेपॉक में पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को 50 रनों से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। 2008 में उद्घाटन सीजन के बाद से यह चेन्नई में CSK के खिलाफ RCB की पहली जीत भी थी। बेंगलुरु फ्रें

चाइजी के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' पर कहा, RCB टीम का संतुलन पिछले सीजन की तुलना में 10 गुना बेहतर है। साउथ अफ्रीका के इस महान खिलाड़ी ने कहा, पिछले साल आईपीएल नीलामी में मैंने आरसीबी को संतुलन की जरूरत के बारे में बात की थी। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या फील्डरों के बारे में नहीं है... यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में एक अच्छा संतुलन रखने के बारे में है। डिविलियर्स ने कहा, मैंने भुवी को देखा और सोचा कि वह नहीं खेलेगा और वह आ गया। यही आप चाहते हैं। आप ऐसे लोगों को चाहते हैं जो कहें वाह, यह लड़का बदला है। वह पहले गेम (केकेआर के खिलाफ) में शुरुआती लाइनअप में भी नहीं था और अब वे दूसरे गेम में किसी और की जगह भुवी कुमार को ला रहे हैं। यह वह संतुलन और गहराई है जिसकी आपको टीम में जरूरत है। मिस्टर 360 डिग्री ने कहा, आरसीबी के लिए शानदार शुरुआत और यह वास्तव में अच्छा लग रहा है।

सीनियर एशियाई कुश्ती : मनीषा ने पहला स्वर्ण जीता

चर्चित राजनीति। संवाददाता

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय महिला पहलवानों ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, क्योंकि मनीषा ने देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंतिम पंघाल ने शुक्रवार को यहां 2025 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा में वापसी करते हुए कांस्य पदक जीता। जॉर्डन की राजधानी में आयोजित इस प्रतियोगिता का तीसरा दिन भारतीय कुश्ती के लिए ऐतिहासिक दिन साबित हुआ, क्योंकि भारतीय महिला कुश्ती टीम ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के कुल पदकों की संख्या 1 स्वर्ण, 1 रजत और 5 कांस्य हो गई। दिन का मुख्य आकर्षण मनीषा (62 किग्रा)

रहीं, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक अपना दबदबा बनाया। कजाकिस्तान की टाइनिस डुबेक (विश्व रैंकिंग 9) को 11-0 से हराने के बाद, विश्व रैंकिंग में नंबर 10 भारतीय ने कोरिया की हनबिट ली को हराया, इसके बाद 2023 एशियाई चैंपियन कलमीरा बिलिमबेकोवा को 5-1 से हराया। एक करीबी मुकाबले में, मनीषा ने डीपीआर कोरिया की ओक जे किम को 8-7 से हराकर भारत को टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इस बीच, 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी कर रही अंतिम पंघाल (53 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की जिन झांग (2024 विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता) पर 10-6 से जीत के साथ जोरदार शुरुआत की।

हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां वह जापान की मो कियूका (विश्व चैंपियन) से 10-0 से हार गईं। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बयान में कहा, कल से शुरू होने वाली फ्रीस्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता के साथ, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को भारतीय दल से अधिक पदक और मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है।

एलबीएस कॉलेज में वार्षिक खेल प्रतियोगिता 27 खेल स्पर्धाओं में छात्रों ने दिखाया दम

गोण्डा, चसं। नगर के लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन दौड़, खो-खो, क्रिकेट बॉल थ्रो, शॉटपुट और जेवलिन थ्रो सहित कुल 27 खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने में अभिभावकों और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि इस स्कूल की छात्राएं मुख्यमंत्री और राज्यपाल के समक्ष भी निडर होकर अपनी बात रखती हैं। हाल ही में राज्यपाल के दौरे के दौरान छात्राओं ने अपने वक्तृत्व से सभी को प्रभावित किया था। महाविद्यालय में स्नातक और परास्नातक स्तर तक की शिक्षा दी जाती है। यहां खेलकूद के लिए पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध हैं एक ऐसा कॉलेज है जहां अनुशासन के साथ खेल भी सिखाया जाता है। यहां के कई ऐसे बच्चे हैं जो आज देश की सेवा कर रहे हैं प्रशासनिक सेवाओं में अपना योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य आर के पांडेय, प्रोफेसर जितेंद्र सिंह के साथ प्रियंका चतुर्वेदी,रोहित यादव, कुलदीप, नीलम,अदिति सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

केएल राहुल एसआरएच मुकाबले से पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम में फिर से शामिल हुए

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल रविवार को आईपीएल 2025 सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच से पहले शनिवार को विशाखापत्तनम में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल हो गए। राहुल पिछले हफ्ते लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डीसी के सीजन के पहले मैच में अपनी पत्नी अथिया शेट्टी के साथ पहले बच्चे के जन्म के कारण नहीं खेल पाए थे। अथिया ने 24 मार्च को एक बच्ची को जन्म दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने एक्स पर जाकर राहुल के आगमन का वीडियो शेयर किया और लिखा, आप प्यारे हैं। आप हमारे हैं। आप घर पर हैं। दिल्ली में आपका स्वागत है, केएलआर। एक अन्य पोस्ट में, फ्रेंचाइजी ने डीसी की ट्रेनिंग जर्सी में राहुल की एक तस्वीर शेयर की और पोस्ट को कैप्शन दिया, खेल शुरू होने दें। राहुल के रविवार को विशाखापत्तनम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली के लिए पदार्पण करने की उम्मीद है, पिछले साल की मेगा नीलामी में उन्हें 14 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी ने खरीदा था। अक्षर पटेल की अगुआई वाली टीम ने राहुल की पूर्व फ्रेंचाइजी लखनऊ पर एक विकेट से रोमांचक जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत जीत के साथ की। आशुतोष शर्मा ने 31 गेंदों में नाबाद 66 रनों की पारी खेली और पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से लखनऊ से जीत छीन ली। मैच के बाद दिल्ली के खिलाड़ियों ने मदर्स लैप बेबी स्विंग एक्शन करके राहुल को नए पिता बनने पर बधाई दी। दिल्ली में अपने कदम के बारे में राहुल ने कहा कि पिछले साल की नीलामी के बाद यह उनके लिए रोमांचक और नर्वस करने वाला दोनों था। राहुल ने कहा, मेरे लिए यह एक नया अनुभव है-अपनी चौथी या पांचवीं आईपीएल फ्रेंचाइज से जुड़ना। यह रोमांचक और नर्वस करने वाला दोनों है। हर नई टीम अनिश्चितता लेकर आती है-खिलाड़ी कैसे तालमेल बिठाएंगे, प्रबंधन कैसे काम करेगा और प्रशंसक कैसे प्रतिक्रिया देंगे। लेकिन हमारी टीम और प्रबंधन ने जिस तरह से इस टीम को बनाया है, उसे देखते हुए लगता है कि हमने सभी क्षेत्रों को कवर कर लिया है। उन्होंने कहा, इसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का शानदार मिश्रण है। मैं कुछ अविश्वसनीय रूप से कुशल युवाओं के साथ खेलने और उनसे सीखने के लिए उत्सुक हूं। मिशेल स्टार्क, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों के साथ - जिनमें से कई के साथ मैं पहले भी खेल चुका हूं - हमारी टीम एक मजबूत टीम है। मैं आईपीएल शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव सैकिया के बीच गुवाहाटी में होने वाली बैठक स्थगित

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। सीनियर पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया के बीच गुवाहाटी में होने वाली बैठक स्थगित कर दी गई है। यह बैठक पहले शनिवार को होनी थी।

विदेश में पारिवारिक छुट्टी मनाने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के भी बैठक में शामिल होने की संभावना थी। अगरकर को मूल कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को गुवाहाटी पहुंचना था और सैकिया से मिलना था। लेकिन बैठक स्थगित होने की सूचना शुक्रवार रात को ही सामने आ गई। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने आईएएनएस को बताया, अभी तक, इस बारे में कोई वास्तविक स्पष्टता नहीं है कि यह बैठक कब हो सकती है -

या तो गुवाहाटी में दूसरे आईपीएल मैच के बाद या अप्रैल के पहले सप्ताह में। लेकिन भविष्य में उस बैठक में जो भी बातचीत होगी, उसके तुरंत बाद सभी प्रासंगिक विवरण सार्वजनिक डोमेन में आने की उम्मीद है। इस सप्ताह की शुरुआत में, बीसीसीआई ने 2024/25 चक्र के लिए भारत की सीनियर महिला टीम के लिए वार्षिक रिटेनर की घोषणा की। आईएएनएस समझता है कि शनिवार को गुवाहाटी में बैठक दो प्रमुख विषयों के आसपास होनी थी- पुरुष टीम के वार्षिक रिटेनर और भारत ए के प्रारम्भिक मेकअप के साथ-साथ इंग्लैंड दौरे के लिए वरिष्ठ टीम के बारे में चर्चा। भारत ए को 30 मई से शुरू होने वाले दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं, इसके बाद टेस्ट टीम 20 जून से हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू करेगी। ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से हारने के बाद यह भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी। भारत ने आखिरी बार 2007 में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी। इस बीच, सीनियर टीम के 30 खिलाड़ियों को दिए गए 2023/24 के केंद्रीय अनुबंधों के अनुसार पुरुष टीम के लिए, बीसीसीआई ने उन्हें चार श्रेणियों में विभाजित किया था-ग्रेड ए+ खिलाड़ियों को सात करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा था, जबकि ग्रेड ए, ग्रेड बी और ग्रेड सी खिलाड़ियों को क्रमशः पांच करोड़ रुपये, तीन करोड़ रुपये और एक करोड़ रुपये मिलने थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अपने ए+ अनुबंधों को बरकरार रखते हैं या नहीं, क्योंकि पिछले साल विश्व कप जीत के बाद उन्होंने टी20आई से संन्यास ले लिया था। अतीत में, एमएस धोनी को दिसंबर 2014 में टेस्ट से संन्यास लेने के बावजूद वार्षिक रिटेनर्स की शीर्ष श्रेणी में रखा गया था। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीत में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर पिछले साल उल्लेखनीय रूप से बाहर होने के बाद केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में फिर से प्रवेश कर सकते हैं। ऑलराउंडर अक्षर पटेल, जिन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अपराजित रन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, के पास भी पदोन्नति पाने का अच्छा मौका है। पिछले 12 महीनों में विभिन्न प्रारूपों में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी और अभिषेक शर्मा अपना पहला केंद्रीय अनुबंध हासिल करने की दौड़ में हैं।

फलों के निर्यात में वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले पांच वर्षों में फलों के निर्यात में जबरदस्त वृद्धि देखने के बाद सरकार नए बाजारों की तलाश कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से यूएई और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में क्रमशः 27 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा को बताया, मुक्त व्यापार समझौते से भारत द्वारा यूएई को निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है, जहां फलों के निर्यात में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में भारत के फलों के निर्यात में 47.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकार इन निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करते हुए गुणवत्ता को लेकर आश्वासन और नए बाजारों की खोज पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, देश से जाने वाला कोई भी उत्पाद ब्रांड इंडिया और भारत का नाम है, इसलिए विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों और फलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है।

सोने के कारोबारी से इश्क लड़ा रही हैं संजय कपूर की बेटी शनाया, कॉलेज में हुई थी पहली मुलाकात

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म आँखों की गुस्ताखियां को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी नजर आएंगे। हालांकि उनकी प्रोफैशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफइन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनाया कपूर मुंबई के गोल्ड बिजनेसमैन करण कोठारी को डेट कर रही हैं। कहा जा रहा है कि दोनों कॉलेज स्वीटहार्ट्स रहे हैं और अब भी एक-दूसरे के काफी करीब हैं हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की औपचारिक पुष्टि नहीं की है। शनाया ने हाल ही में अपनी डेब्यू फिल्म की अनाउंसमेंट की जिस पोस्ट पर करण ने कमेंट किया था। करण ने लिखा-सालों से जो सपना देख रही हो उसे पूरा करने का समय आ गया है। वो अपने सपने को अब रियलिटी में बदल रही हैं। करण के इस कमेंट के बाद से दोनों के साथ होने के कयास लगाए जा रहे हैं। शनाया कपूर ने करण के गोल्ड ब्रांड के लिए फोटोशूट भी करवाया था। उनकी फोटोज खूब वायरल हुई थीं। :: एजेंसी

रोमियो एस3 का ट्रेलर सलमान खान की सिकंदर के साथ ही सिनेमाघरों में लॉन्च होगा!

एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन और मनोरंजक ड्रामा के प्रशंसकों के लिए डबल ट्रीट है, क्योंकि ठाकुर अनूप सिंह और पलक तिवारी अभिनीत रोमियो एस3 का ट्रेलर सलमान खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर सिकंदर के साथ लॉन्च होने वाला है। सिनेमाघरों में धमाकेदार ट्रेलर के लिए तैयार, यह रणनीतिक जोड़ी सलमान खान की ब्लॉकबस्टर की ऊर्जा और स्टार पावर के साथ इसे जोड़कर रोमियो एस3 के आसपास की प्री-रिलीज उत्तेजना को बढ़ाने का वादा करती है। दोनों फिल्में हाई-ऑक्टेन एक्शन, सस्पेंस और लार्जर-दैन-लाइफस्टोरीटेलिंग में डूबी हुई हैं, जो दर्शकों को रोमियो एस3 की रोमांचक कहानी से परिचित कराने के लिए सिकंदर को एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म बनाती है। ट्रेलर में रोमियो एस3 की कठिन, जोखिम भरी दुनिया की एक शानदार झलक दिखाई गई है, जिसके केंद्र में डीसीपी संग्राम शेखावत (ठाकुर अनूप सिंह) हैं। गोवा को एक खतरनाक ड्रग कार्टेल से मुक्त कराने के लिए दृढ़ संकल्पित शेखावत निडर, क्रूर हैं और बिना नियमों के काम करते हैं, जिससे वह न्याय की एक अथक ताकत बन जाते हैं। आपराधिक साम्राज्य को खत्म करने का उनका भयंकर मिशन तब और तेज हो जाता है जब उनका रास्ता पलक तिवारी द्वारा अभिनीत एक खोजी पत्रकार से मिलता है, जो सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जैसे ही वे अस्पष्ट अंडरवर्ल्ड में उतरते हैं, शेखावत की अजेय जीत का सिलसिला अपने अंतिम परीक्षण का सामना करता है जब एक क्रूर खलनायक उभरता है-जिसकी भयावह योजनाओं से न केवल गोवा बल्कि पूरा देश खतरे में है। निर्देशक गुड्डू धनोआ सिकंदर के साथ ट्रेलर लॉन्च वे कहते हैं, सलमान खान की सिकंदर के साथ ट्रेलर लॉन्च करना वाकई एक सपने के सच होने जैसा है। सिकंदर का गतिशील एक्शन और लोगों को आकर्षित करने वाला यह किरदार रोमियो एस3 के हाई-ऑक्टेन ड्रामा और मनोरंजक कहानी के साथ पूरी तरह मेल खाता है। संग्राम सिंह शेखावत की यात्रा कच्ची, अथक और रोमांचकारी मोड़ से भरी है, जो इसे हमारी विस्फोटक दुनिया का एक बेहतरीन परिचय बनाती है। रोमियो एस3 के निर्माता पेन स्टूडियो के डॉ. जयंतीलाल गडा और धवल गडा कहते हैं, हम सलमान खान की सिकंदर के साथ रोमियो एस3 के ट्रेलर को उस भव्य मंच पर पेश करने के लिए रोमांचित हैं, जिसके वह हकदार हैं। यह एक बेहतरीन जोड़ी है- दो बड़ी-से-बड़ी फिल्में जो एक्शन, ड्रामा और गहन कहानी का जश्न मनाती हैं। यह ट्रेलर लॉन्च सिर्फएक शुरुआत है जो एक रोमांचक सिनेमाई यात्रा होने का वादा करती है। यह एक बड़ी स्क्रीन पर होने वाला तमाशा है, और हम एक अविस्मरणीय पहली छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। डॉ. जयंतीलाल गड़ा (पेन स्टूडियोज) द्वारा प्रस्तुत, धवल गड़ा और वाइल्ड रिवर पिक्चर्स द्वारा निर्मित और गुड्डू धनोआ द्वारा निर्देशित रोमियो एस3, जिसमें ठाकुर अनूप सिंह और पलक तिवारी अभिनीत हैं, 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अखिल भारतीय रिलीज पेन मरुधर द्वारा होगी। :: एजेंसी

कुणाल कामरा के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में तीन मामले दर्ज, 31 को पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश

मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में कॉमेडियन कुणाल कामरा के खिलाफतीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इन तीनों मामलों में महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों से जीरो एफआईआर के तहत शिकायतें मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर की गई हैं। यह एफआईआर बुलढाना, नाशिक और ठाणे जिलों से दर्ज की गई थीं और अब इनकी जांच मुंबई के खार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार इन मामलों में कामरा पर आरोप है कि उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। खार पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है, और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे। :: एजेंसी

मेरे लिए सफलता का मतलब दायरों को तोड़ आगे बढ़ना है : सामंथा

साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपने विचारों के लिए फैंस के बीच काफी पसंद की जाती हैं। वह महिलाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाती हैं और उन्हें ऐसे मुद्दों को उठाने में एक सुकून महसूस होता है। हाल में उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि उनके लिए सफलता का असली मतलब क्या है? हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता का मतलब सिर्फ उपलब्धियां हासिल करना नहीं है, बल्कि रूढ़िवादिता और सामाजिक बंधनों से मुक्त होना है। सामंथा ने स्वतंत्रता को अपनाने, कई भूमिकाएं निभाने और महिलाओं को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, इस बारे में पुरानी धारणाओं को चुनौती देने के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने साझा किया, मैंने पहले भी कहा है - मेरे लिए सफलता का मतलब दायरों को तोड़ आगे बढ़ना है। मैं दूसरों के यह कहने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं। सफलता का मतलब है अपने जुनून को खुले मन से हासिल करना। यह किसी बॉक्स में नहीं रखा जाना चाहिए और यह नहीं बताया जाना चाहिए कि महिलाएं क्या कर सकती हैं या क्या नहीं? सिडनी के पॉवरहाउस म्यूजियम में फेस्टिवल डायरेक्टर के नेतृत्व में आयोजित एक सत्र के दौरान, सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने बाधाओं का सामना किया और दृढ़ संकल्प के साथ अपने करियर को आकार दिया। सामंथा ने अपने निर्माता की भूमिका में आने के बारे में भी बात की। उन्होंने इसे एक सशक्त कदम बताया। उनके मुताबिक, यह उन्हें विविधतापूर्ण और सार्थक कहानियों को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने कहा, सामंथा की यात्रा सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव के सार से जुड़ी है। यह फेस्टिवल भी प्रमाणिकता, दृढ़ता और विभिन्न मतों का जश्न मनाता है। हमें गर्व है कि इस साल सामंथा इसका नेतृत्व कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर स्किनकेयर घरेलू ब्रांड नीविया इंडिया ने अपने नये ल्यूमिनस इवन ग्लो कलेक्शन के पेशकश के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। नीविया ने आधुनिक त्वचा की जरूरतों के हिसाब से सोच-समझकर

तैयार की गई इस स्किनकेयर रेंज को एक आकर्षक टीवी विज्ञापन के ज़रिए पेश किया है, जिसमें सामंथा रूथ प्रभु नज़र आ रही हैं। इस विज्ञापन में सामंथा की आत्मविश्वास भरी स्किनकेयर यात्रा को प्रामाणिकता के साथ दिखाया गया है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वह सहजता से अपनी त्वचा की देखभाल करती दिखती है और उसकी बेदाग, चमकदार चमक का एक शानदार दृश्य सामने आता है, जो इस बात को पुख्ता करता है कि नीविया, त्वचा देखभाल की श्रेणी में सबसे आगे है। इस अवसर पर अपना उत्साह साझा करते हुए सामंथा रूथ प्रभु ने कहा मेरे और मेरे परिवार के लिए नीविया वर्षों से एक विश्वसनीय नाम रहा है, जिसके कारण यह साझेदारी अविश्वसनीय रूप से विशेष बन जाती है। मेरे लिए स्किनकेयर, त्वचा देखभाल के लिए निरंतर ऐसे उत्पादों को चुनना है जो त्वचा के लिए प्रभावी और कोमल हों। ल्यूमिनस इवन ग्लो रेंज इसलिए विशेष है, क्योंकि यह न केवल काले धब्बे कम करती है; बल्कि विज्ञान-आधारित नवाचार के साथ त्वचा की प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाती है। नीविया की त्वचा देखभाल का गहरा दर्शन, जो सुंदरता के प्रति मेरे अपने दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है, इस साझेदारी को और भी खास बना देता है। इस परिवर्तनकारी रेंज के उपयोग की मदद से मैं सभी लोगो द्वारा आत्मविश्वास के साथ अपनी चमक हासिल करने के लिए उत्साहित हूं। वहीं दूसरी ओर सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आई। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है।

सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुध धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में, सामंथा ने खुलासा किया कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी सेलेक्टिव रही हैं। यही वजह है कि वह ऐसी भूमिकाओं को टाल रही हैं, जो उन्हें चुनौती नहीं देती हैं। सामंथा ने तमिल फिल्में साइन ना करने का कारण बताते बुए कहा, कई फिल्में करना आसान है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर हूं, जहां हर फिल्म को ऐसा महसूस होना चाहिए कि यह आखिरी फिल्म में उस तरह का प्रभाव होना चाहिए। यही वजह है कि मैं खुद को इस तरह क की फिल्म करने के लिए तैयार नहीं कर सकती। सामंथा की आखिरी तमिल फिल्म 2022 की काथुवाकुला रेंदु काधल थी। सामंथा ने द फैमिली मैन 2, सिटाडेल : हनी बनी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया है और हाल ही में, वह रक्त ब्रह्मांड में दिखाई देने वाली हैं। सामंथा का कहना है कि इन प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ अनोखा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, अच्छे कारण से वे (राज और डीके) ही हैं, जिन्होंने मुझे अधिक से अधिक चुनौतियों की चाहत के साथ बिगाड़ा है। जब मैं हर दिन काम पर जाती हूं, तो एक अभिनेता के रूप में किसी भूमिका को इतना अधिक देना बेहद संतोषजनक होता है। और अगर मुझे हर दिन वह एहसास नहीं होता है, तो मैं काम पर नहीं जाना चाहती। बीमारी के कारण लंबे ब्रेक के बाद इस सीरीज ने सामंथा की वापसी ठीक ठाक रही। सामंथा ने एक्शन सीरीज में हनी का किरदार निभाया था और वरुण धवन ने बनी का किरदार निभाया था। 6 नवंबर को प्राइम वीडियो पर शुरू हुई यह सीरीज प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन अभिनीत यूएस रूपांतरण सिटाडेल का प्रीक्वल है। सामंथा इन दिनों राज और डीके की फंतासी एक्शन सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड - द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, वामिका गब्बी, अली फजल और निकितिन धीर नजर आएंगे।

वहीं अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी पिछली कुछ फिल्मों के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि उन्होंने शायद उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक 'आस्क मी एनीथिंग सेशन' आयोजित किया, जिसमें उन्होंने अतीत में कुछ गलतियाँ करने का खुलासा किया। अपने आगामी शो सिटाडेल : हनी बनी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि यह उनके करियर की सबसे अधिक स्तरित, जटिल और चुनौतीपूर्ण भूमिका है। एक व्यक्ति ने पूछा, क्या आप हमें बता सकती हैं कि आपने सिटाडेल के लिए कितनी मेहनत की है और आपका किरदार कैसा होगा? सामंथा ने कहा, मैंने खुद से वादा किया था कि मैं हर भूमिका में खुद को चुनौती दूँगी, हर चुनौती पिछली चुनौती से ज़्यादा कठिन होगी। मैं मानती हूँ कि मैंने अतीत में कुछ गलतियाँ की हैं और चीजें वास्तव में ठीक से काम नहीं कर पाई हैं, और मैं असफलता को स्वीकार करती हूँ। मैं स्वीकार करती हूँ कि मैंने अपनी पिछली कुछ फिल्मों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया होगा। :: नेशनल डेस्क

सामंथा ने स्वतंत्रता को अपनाने, कई भूमिकाएं निभाने और महिलाओं को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, इस बारे में पुरानी धारणाओं को चुनौती देने के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने साझा किया, मैंने पहले भी कहा है कि मेरे लिए सफलता का मतलब दायरों को तोड़ आगे बढ़ना है।

देवी मां को करना है प्रसन्न तो नवरात्रि से पहले कर लें मंदिर की सफाई

नवरात्रि में देवी दुर्गा की पूजा विशेष रूप से की जाती है और इसे शक्ति उपासना का पर्व माना जाता है। देवी मां को स्वच्छता और पवित्रता अत्यंत प्रिय है, इसलिए नवरात्रि से पहले घर के मंदिर की सफाई करना शुभ और आवश्यक माना जाता है।

स्वच्छ और व्यवस्थित मंदिर में पूजा करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मां दुर्गा की कृपा प्राप्त होती है। चलिए जानते हैं घर के मंदिर को साफ करने का आसान तरीका। धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि जहां स्वच्छता होती है, वहां देवी-देवता निवास करते हैं। गंदे और अव्यवस्थित मंदिर में पूजा करने से देवता रुष्ट हो सकते हैं। मंदिर को साफ-सुथरा रखने से नेगेटिव एनर्जी का नाश होता है और घर में शांति और सुख-समृद्धि बनी रहती है। नवरात्रि के दौरान घर में पवित्र और शुद्ध वातावरण पूजा का फल कई गुना बढ़ा देता है। लंबे समय तक मंदिर की सफाई न होने से उसमें नकारात्मक ऊर्जा और वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में समय रहते इसकी सफाई करने से घर का वास्तु दोष भी दूर होता है। सबसे पहले मंदिर में रखी भगवान की मूर्तियों, तस्वीरों और पूजा सामग्री को किसी साफ जगह पर रख दें। मूर्तियों को गंगाजल, कच्चे दूध या गुलाब जल से धोकर हल्के कपड़े से पोंछ लें। देवी-

देवताओं की तस्वीरों को सूखे और साफकपड़े से हल्के हाथों से साफकरें। सोने, चांदी या पीतल की मूर्तियों को नींबू और नमक से साफ करने से उनकी चमक बढ़ जाती है। पत्थर और धातु की मूर्तियों को हल्के साबुन और पानी से धो सकते हैं। मंदिर की दीवारों और छत पर धूल या जाले हों तो उन्हें साफकर लें। दीवारों को गंगाजल या हल्दी मिले पानी से पोंछना शुभ माना जाता है। ध्यान रखें कि मंदिर में कभी भी डार्क कलर की पेंटिंग या तस्वीरें न लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हल्के रंग और शुभ प्रतीक वाले चित्र लगाएं। पूजा में उपयोग होने वाले दीपक, धूपदान, घंटी और अन्य पूजा सामग्री की सफाई भी जरूर करें। घंटी को गुनगुने पानी में नमक डालकर धोने से उसकी चमक बढ़ जाती है। पूजा की थाली और कलश को ''गंगाजल या दूध से साफ करें, इससे वे शुद्ध हो जाते हैं। मंदिर की सफाई के बाद उसे फूलों, तोरण, रंगोली और दीपकों से सजाएं। मंदिर में सुगंधित धूप, कपूर और घी का दीपक जलाएं। केसर, चंदन या गुलाब जल का छिड़काव'' करके मंदिर को सुगंधित बनाएं। नवरात्रि के दौरान 9 दिन अखंड ज्योति जलाना शुभ माना जाता है। मंदिर में रोजाना कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। मंदिर में रखी हुई टूटी-फूटी मूर्तियां, दीपक, धूपदान या तस्वीरेंतुरंत हटा दें। टूटी हुई चीजों से नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। पूजा घर में कभी भी'प्लास्टिक के फूल या अपवित्र वस्तुएं न रखें। मंदिर में हमेशा ताजे फूल और शुद्ध सामग्री का प्रयोग करें। मंदिर में सफाई करते समय मंत्र जाप या भजन करते रहें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

:: लोकल डेस्क

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

सरकार ने मोदी

की तस्वीरों की बाढ़ आ गई है। कोई भी उपयोगकर्ता टेक्स्ट से चित्र बनाने की सुविधा का उपयोग कर अपनी कल्पना को चित्र कला में बदल सकता है। स्टूडियो घिबली की कला शैली अपने कोमल रंगों, छोटे विवरणों और स्वप्निल रूप के लिए प्रसिद्ध है।

भूकम्प से म्यांमार

उन्होंने म्यांमार के सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की है। पीएम ने कहा कि एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की। विनाशकारी भूकंप में हुई मौतों पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आगे लिखा, एक करीबी दोस्त और पड़ोसी के रूप में, भारत इस कठिन समय में म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है। भारत ने म्यामांर में मानवीय मदद पहुंचाने के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री 40 टन मानवीय सहायता लेकर यांगून बंदरगाह भेजे गए हैं। खोज और बचाव कार्यों में मदद के लिए एनडीआरएफ की 80 सदस्यीय समर्पित टीम म्यांमार भेजी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मानवीय सहायता की पहली खेप ले जा रहे भारतीय वायुसेना के सी-130 जे विमान की तस्वीरें साझा कीं, जिसमें टेंट, स्लीपिंग बैग, खाने के पैकेट, स्वच्छता किट, आवश्यक दवाइयाँ और बहुत कुछ शामिल है।

हिंदी की किसी

के सम्मान की रक्षा करने के लिए काम कर रही है। जहां यह तमिल नाटक हिंदी में प्रस्तुत किया जा रहा है वहीं देश में काशी तमिल संगमम जैसे आयोजन भी किए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा, हम जब रानी नचियार का स्मरण कर रहे हैं तो राजस्थान की वीरांगना योद्धा ताराबाई का भी स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अफगानों का डटकर मुकाबला किया था। हमें वीरांगना पन्ना धाय को याद करना चाहिए जिन्होंने अपने पुत्र का बलिदान देकर मेवाड़ राजवंश और महाराणा उदय सिंह की जान बचाई थी। उन्होंने ओडिशा की भौमकारा राजवंश की छह महिला शासकों की बहादुरी की भी सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा, यदि आप इतिहास उठाकर देखें तो पाएंगे कि जब जब भारत के सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है, एक नए भारत का उदय हुआ है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की क्षमता और प्रतिभा पर पूरा विश्वास जताया है। आज देश में महिला नीत विकास की बात हो रही है। महिलाओं को जीवन के उन क्षेत्रों में भी काम करने का मौका दिया जा रहा है, जहां उनके लिए रास्ते बंद थे। सशस्त्र बलों की शायद ही कोई ऐसी शाखा होगी जहां महिलाएं नहीं काम कर रही है।

एसटीएफ ने 6 साइबर ठग पकड़े, नेपाल का मास्टर माइंड डेनियल फरार

लखनऊ, चसं। लखनऊ में यूपी एसटीएफने साइबर गिरोह के छह लोगों को पकड़ा है। आरोपी डिजिटल अरेस्ट, शेयर मार्केटिंग में निवेश, टॉस्क और गेमिंग एप से लोगों को ठगते थे। साइबर ठगी के पैसे मंगाने के लिए लोगों से किराए पर कार्पोरेट बैंक खाते भी लेते थे। गिरोह को इंटर पास युवक चला रहा था। एसटीएफने गिरोह को ऑपरेट करने वाले नेपाल के डेनियल और उससे जुड़े लोगों के विषय में जानकारी जुटा रही है। एटीएफके मुताबिक गिरोह का सरगना अब्दुल मलिक इंटर पास है। हजरतगंज लालबाग डीएम कंपाउंड के पास रहने वाले अब्दुल मूल रूप से संत कबीरनगर के ब्रह्मचारी गांव का रहने वाला है। उसने अपने गोरखपुर शाहपुर निवासी आयुष मिश्र (बीटेक), गोंडा घोसियाना के यासीन अहमद (10वीं), गोंडा राधा कुंड निवासी सैयद आमिल (बीबीए), रायबरेली डलमऊ के पुष्पेंद्र सिंह (एमबीए) और जौनपुर पठकौली निवासी विजय कुमार पाठक के साथ ठगी का गिरोह बनाया था। सभी को विभूतिखंड स्थित गाडफादर कैफे से गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया। इनके पास से 11 मोबाइल फोन, 18 क्रेडिट कार्ड, दो चेक बुक, तीन आधार कार्ड, तीन पैन कार्ड, 52 पेज वॉट्सऐप के स्क्रीन शॉट, दो कार और 34500 रुपए बरामद किए गए। एसटीएफके मुताबिक साइबर थाना में एटेक्ष इन्नोवेशन प्राइवेट लिमिटेड आईटी सैल्यूशन कम्पनी ने एक मुकदमा दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि कम्पनी के विस्तार और वार्षिक टर्नओवर बढाने के लिए आयुष मिश्रा ने मलिक अंसारी टेलीग्राम आईडी से संपर्क कराया। उसने पीड़ित की कम्पनी के बैंक खाते की जानकारी मांगी। उसके बाद कम्पनी के बैक खाते से लिंक मोबाइल नम्बर वाले मोबाइल में एपीके फाइल के माध्यम से एक साफ्टवेयर डाउनलोड कर दिया। उसके बाद बैंक खाते में लगभग 48 लाख रूपए आए। जिन्हें बाद में 3200 ट्रांजैक्शन के माध्यम से ट्रांसफर कर लिए गए। कम्पनी का बैंक खाता फ्रीज होने पर जानकारी हुई कि उनके खाते में साइबर ठगी के रुपए थे। एसटीएफकी पूछताछ में सामने आया कि गैंग का सरगना अब्दुल मलिक 2017 में संत कबीरनगर से इंटर पास करने के बाद लखनऊ आ गया। यहां नीट की तीन साल तक तैयारी की, लेकिन सफल नहीं हुआ। 2022 में उसकी मुलाकात शुभम ठाकुर से हुई।जिसने खुद को शेयर मार्केट का बड़ा ट्रेडर बताया। शुभम ने मलिक को उसके साथ काम करने और इन्वेस्टमेंट करने पर 1.12 लाख रुपए हर महीने देने का लालच दिया। जिसके लालच में आकर बैंक से 10 लाख रुपए और परिचितों से 50 लाख रूपए उधार लेकर शुभम को दे दिए। दो माह तक फायदा देने के बाद शुभम सारे रुपए लेकर भाग गया। उधारी बढ़ने पर साइबर क्राइम शुरू कर दिया।

मलिक ने पूछताछ में बताया कि सितम्बर 2024 में लखनऊ के फरहान से उसकी मुलाकात हुई। फरहान ने जैकी पूना और नेपाल काठमांडू निवासी डेनियल से सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़ा। उन लोगों ने साइबर क्राइम कर रुपए कमाने के लिए कार्पोरेट बैंक खातों की जानकारी और बैंक खाता धारकों को मैनेज करने पर कमीशन देने का झांसा दिया। इसके बाद मित्र आयुष मिश्रा, यासीन अहमद, सैयद आलिम, पुष्पेन्द्र सिंह के साथ मिलकर ठगी का काम करने लगा। फील्ड से कार्पोरेट बैंक खाता धारकों को खोजते थे। उसके बाद उनको मोटा कमीशन का लालच देकर उनकी बैंक खाते की किट, एटीएम कार्ड, चेक बुक, रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर सिम कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग का यूजर आईडी पासवर्ड ले लेते। उसके बाद बैंक खाता धारक के साथ होटल में रुकते। जहां मौका पाकर उसके मोबाइल में एपीके फाइल के माध्यम से मैसेज फारवर्ड करने का साफ्टवेयर डाउनलोड कर देते थे। फिर अब्दुल मलिक, डेनियल काठमांडू नेपाल, फरहान निवासी इंदिरा नगर लखनऊ जैकी निवासी पूना आदि के माध्यम से साइबर ठगी की प्रक्रिया पूरी कर पब्लिक के साथ साइबर ठगी का काम कर अवैध रूप से धन अर्जित करने लगे। अब्दुल मलिक ने बताया कि काठमांडू का डेनियल उनके गैंग को ऑपरेट कर रहा है। वह लोग विजय कुमार पाठक के एक्सिस बैंक के अकाउंट से ठगी करने वाले थे। जिसको डेनियल काठमांडू नेपाल ऑपरेट कर रहा है। हम लोग उससे ठगे के रुपए का कमीशन लेने आए थे, लेकिन पकड़े गए।

कार्यशाला परिजनों की दुविधा! मेरे बाद क्या

लखनऊ, चसं। रिचमंड फेलोशिप सोसाइटी (इंडिया), लखनऊ शाखा, गंभीर मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों के मनोवैज्ञानिक सामाजिक पुनर्वास के क्षेत्र में काम करने वाली एक अग्रणी गैर-लाभकारी संस्था ने अपना 20वां वार्षिकोत्सव का सफलता पूर्वक आयोजन इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन भवन के प्रांगण में मनाया। इस अवसर पर ''परिजनों की की दुविधा! मेरे बाद क्या ?'' विषयक एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला का आयोजन एक बहुत ही महत्वपूर्ण लेकिन प्रासंगिक प्रश्न पर को लेकर किया गया था। यह एक यक्ष प्रश्न कि मेरे जाने (मृत्यु) के बाद मेरे इस प्रियजन का क्या होगा जो मानसिक असंन्तुलन का शिकार है। और यही परिजनों के मुख्य तनाव का कारण भी होता।

भारत में लगभग 70: व्यक्ति इसी तनाव से ग्रस्त है एक रिपोर्ट इस अवसर पर आरएफएस (आई) लखनऊ के अध्यक्ष और केजीएमयू के मनोचिकित्सा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. ए. के. अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारी कुल आबादी का लगभग 13.7: लोग मानसिक बीमारी से पीड़ित है। इनमें से आगे चलकर लगभग 2 प्रतिशत लोगों में यह संख्या गंभीर मानसिक बीमारी के रूप में परिवर्तित हो जाती है। यहीं नही आज के परिदृश्य में, सम्पूर्ण जीवनकाल में प्रत्येक 100 में से 10 व्यक्तियों में मानसिक बीमारी होने के लक्षण पाए जाते हैं। इसी परिपेक्ष में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, अब समय आ गया है कि मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सकों, नीति निर्माताओं और सामुदायिक हित धारकों को एक साथ आना चाहिए और मानसिक बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों की देखभाल करने वाले परिजनों के सामने आने वाली चुनौतियों और समस्याओं का समाधान करने के लिए कोई स्थायी एवं ठोस कदम तलाशना चाहिए। संस्था की सचिव डॉ शशि राय जो स्वंय भी एक मनोचिकित्सक है ने अपनी रिपोर्ट पेश करते समय मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर अपनी चिंता जताई। उनके अनुसार मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 के अनुसार, गंभीर मानसिक बीमारी से ग्रस्त रोगियों की देखभाल करना राज्य की जिम्मेदारी है, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। लेकिन यह सब केवल कागजों तक ही सीमित है वस्तुस्थिति तथा जमीनी हकीकत पर यह नगण्य हैं, आने वाले समय में यह एक गंभीर समस्या का रूप हमारे सामने आ सकती हैं। कार्यशाला के मुख्य वक्ता मनोचिकित्सक एवं केजीएमयू के पूर्व विभागाध्यक्ष रहे डा. प्रभात सिठोले ने बताया कि प्रत्येक नागरिक को चाहे वह कहीं भी हो और कोई भी हो, को एक सुलभ, अच्छी गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य सम्बधी जोखिमों से सुरक्षा एवं देखभाल का अधिकार उच्चतम मानकों के आधार पर होना चाहिए। पूर्व विधायक और हरभज राम कृपा देवी अस्पताल के चेयरमैन श्री विद्या सागर गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आग्रह पूर्वक कहा कि इस समाज में कोई भी व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से अछूता नहीं है, इसलिए सरकार और निजी हितधारकों को मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास को एक आवश्यक सेवा के रूप में प्राथमिकता देनी चाहिए। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे कम सेवा वाले क्षेत्रों में। मनोरोगी कल्याण संस्थान के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने भी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यूपी के लगभग 40: जिलों में उचित मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं। उन्होंने मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए समानता के अधिकार के रूप में नौकरियों में आरक्षण की भी मांग की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शनिवार को लखनऊ में मण्डलायुक्त, प्रयागराज विजय विश्वास पंत ने शिष्टाचार भेंट की। : चर्चित राजनीति

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शनिवार को लखनऊ में अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज भानु भास्कर ने शिष्टाचार भेंट की। : चर्चित राजनीति

सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा ने आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पांच कालिदास मार्ग आवास पर भेंट की। भेंट के दौरान लखनऊ से संबंधित जनहित के विषयों पर चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। : चर्चित राजनीति

चुनौतियों का सामना कर रहा है संसदीय लोकतंत्र : महाना

विधायिका की संवैधानिक प्रास्थिति की स्थापना का किया प्रयास

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीते कुछ वर्षों से विधायिका की संवैधानिक प्रास्थिति में ह्रास हुआ है। संवैधानिक रूप से विधायिका की जो गरिमा एवं क्षेत्राधिकार प्रावधानित है, उसे व्यावहारिक रूप से मूर्त रूप नहीं दिया जा सका है। पिछले लगभग तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश विधान सभा में विभिन्न तरीकों से यह प्रयास किया गया है कि विधायिका की संवैधानिक प्रास्थिति को स्थापित किया जाए। यह बात विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आज मीडिया से वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा, विधायिका के संवैधानिक महत्व को पुनर्स्थापित करने के दृष्टिकोण से उत्तर प्रदेश विधान सभा की अवस्थापना सुविधाओं में अभूतपूर्व कार्य किया गया है। विधान सभा की

● विधानसभा अध्यक्ष ने संवाददाताओं से की बात

इमारत में, सभा मण्डप में, पार्टी कार्यालयों में, राजनीतिक दलों के कार्यालयों में एवं विधान सभा सचिवालय के कार्यालयों में एक गरिमामयी वातावरण बनाने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य मात्र सौन्दर्यीकरण से नहीं है, वरन् यह है कि संवैधानिक रूप से जो महत्व एवं गरिमा विधान सभा को प्रदत्त है, उसका आभास भी कराया जाए, उसको स्थापित किया जाए। अवस्थापना सुविधाओं के अतिरिक्त यह भी प्रयास किया गया है कि लोक दृष्टि में यह भी आभास कराया जाए कि विधान सभा के माननीय सदस्य, अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योग्यताएं धारित करते हैं। उत्तर प्रदेश के जन प्रतिनिधि उच्च कोटि की शिक्षा एवं विशिष्ट योग्यताएं धारण करने के बाद सदन के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। चिकित्सक सदस्य, इंजीनियर सदस्य, विधि स्नातक सदस्य, व्यापारी सदस्य, कृषक सदस्य एवं व्यापारिक प्रबन्धन की योग्यता धारित करने वाले सदस्यों के अतिरिक्त शासकीय सेवाओं के उच्च पदों पर कार्य करने के पश्चात् जो सदस्य इस विधान सभा में निर्वाचन के उपरान्त आए हैं, उनको अलग-अलग समूहों में बांटकर उनके साथ संवाद किया गया, जिससे उनको यह ज्ञात हो कि विधान सभा के सदस्य के रूप में उनकी भूमिका के विभिन्न आयाम भी हो सकते हैं एवं जनहित के मुद्दों पर वह अपनी योग्यताओं के अनुसार योगदान भी कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश विधान सभा का यह एक अभिनव प्रयोग था, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने कहा कि विधायिका एक प्रक्रिया पर आधारित प्रतिष्ठान है, यदि विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली अद्यतन एवं उपादेय नहीं होगी तो उसका कोई अर्थ नहीं होगा। पूरे देश में उत्तर प्रदेश विधान सभा पहली विधान सभा है, जिसमें वर्ष 1958 के पश्चात् अपनी प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली को पुनर्विरचित किया गया। इसके पुनर्विरचन में बहुत से ऐसे प्रावधानों को हटाया गया है, जो समय के साथ अर्थहीन हो गए हैं और ऐसे बहुत से ऐसे प्रावधानों को जोड़ा गया है, जो वर्तमान में सुसंगत है। नियमावली की भाषा भी सरलीकृत की गई है। प्रक्रिया नियमावली की व्याख्या का कार्य प्रगति पर है। प्रक्रिया नियमावली का पुनर्विरचन उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अन्य प्रदेशों में भी अब किया जा रहा है। पिछले लगभग तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश की विधान सभा सुचारू रूप से संचालित हुई है। देश की समस्त विधान सभाओं की तुलना में उत्तर प्रदेश की विधान सभा में कम से कम व्यवधान हुए हैं। बजट सत्र अपेक्षाकृत अधिक शांतिपूर्ण ढंग से एवं अधिक दिवस हेतु संचालित हुआ है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में अकल्पनीय है। विधान सभा का मुख्य कार्य विधायी है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा में विधायी दायित्वों पर चर्चा को प्रोत्साहन देने के लिए उन सदस्यों को भी बोलने का अवसर दिया गया, जिन्होंने संशोधन नहीं दिया था। यह भी विधान सभा की प्रक्रिया में एक नवीन प्रयोग है। विधायन के विषय में चर्चा हेतु सदस्यों को प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है, जिससे आगे का कानून सही ढंग से बन सके। विधान सभा की 'डिजिटल हिस्ट्री' को जिस प्रकार से संजोया गया है, वह राज्य विधान मण्डलों के लिए सर्वथा अभूतपूर्व है।

18वीं विधानसभा में ही रखी जायेगी नए विधानभवन की नींव : सतीश महाना

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने तीन साल का कार्यकाल पूरा करने के अवसर पर कहा कि पिछले तीन साल में विधानसभा में बहुत बदलाव हुए।उन्होंने कहा कि 18वींविधानसभा के दौरान ही नए विधानभवन की नींव रखी जाएगी।मीडिया से मुखातिब श्री महाना ने आज अपनी तीन साल की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने विधानसभा के बदलते परिदृश्य की प्रसंशा करते हुए कहा कि केवल बिल्डिंग अच्छी नहीं हुई।बिल्डिंग यानि शरीर की आत्मा को भी ठीक करने का प्रयास किया है। तीन साल में विधानसभा सत्रों के दौरान केवल दो बार विधानसभा स्थगित हुई है।सत्ता पक्ष हो या प्रतिपक्ष, सबको सुझाव दिया गया। विधायकों को सीख दी गयी कि वे तैयारी करके आएं और सवाल करें। सत्ता पक्ष के मंत्रियों को पीठ से सलाह दी गयी ,वे सवालों का ठीक से जवाब दें।सदस्यों के सवाल जनता से जुड़े होते हैं। जो लोग घूमने आए उन्हें विधानसभा के बारे और कार्यवाही के बारे में पूरी जानकारी दी। विधानसभा के बारे में एक पुस्तिका प्रकाशित की गयी। यह पुस्तक यहां आने वाले लोगों को उपलब्ध कराई जाती है ताकि वे विधानसभा के बारे में जानें।

चित्रकूट में बनेगा ईको टूरिज्म पार्क, 5 करोड़ रुपये जारी, 11.77 करोड़ मंजूर

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। रामायण सर्किट का महत्वपूर्ण स्थल चित्रकूट जल्द ही धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का प्रमुख केन्द्र बनेगा। यूपी इको टूरिज्म डेवलपेंट बोर्ड रानीपुर टाइगर रिजर्व के निकट इको टूरिज्म थीम पार्क का निर्माण करेगा। सात एकड़ में बनने वाले इस भव्य पार्क के लिए 11.77 करोड़ रूपयें स्वीकृत किए गए है, जिसमें से 05 करोड़ रूपयें जारी हो चुके है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एक विशेष थीम पार्क विकसित किया जा रहा है।

पार्क का उद्देश्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाना, इको-फ्रेंडली पर्यटन को बढ़ावा देना है। यह पार्क पर्यावरण संरक्षण के अनुरूप् बनाया जाएगा, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता सुरक्षित रहेगी। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पार्क में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इको लॉजेज का निर्माण किया जाएगा। प्राकृतिक सुगंध से भरपूर एक विशेष बगीचा तैयार किया जाएगा, जिसमें विभिन्न प्रकार के सुगंधित पौधे लगाए जाएंगे। स्थानीय और प्रसिद्ध व्यंजनों का आनंद लेने के लिए विशेष फूड कोर्ट इको हट्स भी बनाए जाएंगे। पार्क की जैव विविधता को संरक्षित और समृद्ध करने के लिए सुंदर जलाशय का निर्माण किया जाएगा। पर्यटकों के लिए हरियाली से भरपूर एक केंद्रीय लॉन विकसित किया जाएगा, जहां वे प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकें।विभिन्न ऋतुओं के अनुसार विशेष उद्यानों का विकास किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश विधान सभा : परम्परा व नवाचार का समागम

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीते तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश विधानसभा केवल भवन नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक तकनीक का प्रतीक बन चुकी है। इन सुधारों ने इसे देश की सबसे विकसित विधानसभाओं में स्थान दिलाया है। उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा ने पिछले तीन वर्षों में लोकतांत्रिक मूल्यों को सहेजते हुए नवाचार और आधुनिकता का नया मार्ग तय किया है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की दूरदर्शी सोच ने इस ऐतिहासिक भवन को तकनीकी प्रगति और अनुशासन की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। ई-विधान प्रणाली, डिजिटल लाइब्रेरी, यूपीवीएस इंटेलिजेंट सर्च ऐप ने सूचना की सहज पहुंच बनाई,

● 18वीं विधानसभा ने तय किया लोकतांत्रिक मूल्यों को सहेजते हुए आधुनिकता का मार्ग

विधायकों की कार्यशैली को अधिक प्रभावी बनाया है।लोकतंत्र के इस पावन मंदिर में पहली बार महिला सदस्यों के लिए विशेष सत्र आयोजित हुआ, रामलला दर्शन यात्रा की परंपरा शुरू हुई, विधानसभा जनता के लिए अधिक सुलभ बनी। हिंदी के साथ अवधी, ब्रज, भोजपुरी व अंग्रेजी में भाषण की स्वतंत्रता ने भाषायी विविधता को स्थान दिया।सुरक्षा सुदृढ़ हुई, नियमों में सख्ती आई, और सदन की गरिमा को बनाए रखने के लिए नए प्रतिबंध लागू हुए। दीपावली भोज, विधायकों के जन्मदिन पर सम्मान, ऐतिहासिक ध्वनि एवं प्रकाश शो ने इसे सिर्फ एक सरकारी भवन नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक बना दिया।इन सुधारों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा को राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल बना दिया, जिससे अन्य राज्यों की विधानसभाएं प्रेरणा ले रही हैं। यह केवल सत्ता संचालन का मंच नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंत आत्मा का प्रतीक बन चुकी है। स्पीकर सतीश महाना के मुताबिक उत्तर प्रदेश विधानसभा में कई खास बदलाव हुए हैं। परंपरा और आधुनिकता का संगम - 18वीं विधानसभा ने ऐतिहासिक स्वरूप को बनाए रखते हुए नई तकनीक और आधुनिकता को अपनाया। उनके अध्यक्ष बनने के बाद विधानसभा में कई बदलाव हुए और हर सत्र में कुछ नया जोड़ा गया। यूपी विधानसभा अब देशभर में एक मिसाल बन चुकी है, जिसे अन्य राज्यों की विधानसभाएं अपनाने की कोशिश कर रही हैं। विधायकों की नकारात्मक राजनीति में कमी आई, अब वे सकारात्मक कार्यों से चर्चा में रहते हैं। प्रेस रूम में नई सुविधाएं जोड़ी गई, जिसमें फर्नीचर, चार्जिंग पॉइंट, वाई-फाई, टीवी, और पेंट्री एरिया शामिल हैं। पहली बार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या भेजा गया। विधायकों की टेबल पर टैबलेट लगाए गए, जिससे ई-विधान प्रक्रिया को अपनाया गया। विधानसभा कार्यवाही देर रात तक चल सकती है, जिससे अधिक से अधिक मुद्दों पर चर्चा हो सके। डॉक्टर, इंजीनियर, महिला, युवा और अनुभवी विधायकों के समूह बनाकर संवाद बढ़ाया गया।

समृद्ध भारत की बुलंद तस्वीर : नया पांबन ब्रिज

चर्चित राजनीति। संवाददाता

नई दिल्ली। 'राष्ट्र सेवा' को मंत्र मानकर प्रधानमंत्री ने अपनी अद्वितीय नेतृत्व क्षमता, अटूट संकल्प और दूरदर्शी सोच द्वारा भारत की आधारभूत संरचना को नए शिखर पर पहुंचा दिया है।

प्रधानमंत्री की कर्मठता, अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना ने हर ऐतिहासिक सपने को साकार किया है। उनके नेतृत्व में, भारतीय रेल भी विकास के आसमान में ऊंची उड़ान भर रही है। आए दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रेलवे समृद्ध भारत के सफर में अपनी समुचित भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। तमिलनाडु के विशाल नीले समंदर पर निर्मित नया पांबन ब्रिज भी रेलवे विस्तार और इंजीनियरिंग कौशल की वो तस्वीर है जिसे देखकर हर भारतवासी को गर्व की अनुभूति होगी। यह भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे सी ब्रिज है, जो समुद्र के ऊपर से गुजरते हुए रामेश्वरम द्वीप को तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। यह पुल केवल दो स्थानों को जोड़ने का माध्यम ही नहीं, बल्कि नई तकनीक, आत्मनिर्भर भारत और तेज गति परिवहन का प्रतीक है। नए पांबन ब्रिज की अनूठी लिफ्ट प्रणाली बड़े जहाजों को भी आसानी से गुजरने की अनुमति देती है। मन्नार की खाड़ी पर स्थित यह पुल यातायात को सुगम बनाने के साथ अपने आप में एक ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व भी रखता है। आधुनिक तकनीक से निर्मित यह पुल भारतीय रेलवे के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिससे आने वाले समय में समुद्री मार्गों पर निर्भर पर्यटन और व्यापार को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

● प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के आसमान में ऊंची उड़ान भर रही है भारतीय रेल

परिवहन के नए युग की ओर : भारत का पहला समुद्री पुल पांबन ब्रिज का निर्माण 1911 में शुरू और 1914 में इसे यातायात के लिए खोल दिया गया था। तब यह भारत का एकमात्र समुद्री पुल था जो सन् 2010 में बान्द्रा-वर्ली समुद्रसेतु के खुलने तक भारत का सबसे लम्बा समुद्री सेतु रहा। अपनी सेवा समय के दौरान इस ब्रिज ने कई विकट परिस्थितियां देखी और उनका डटकर सामना किया। 1964 में आए एक चक्रवाती तूफान ने इस पुल को बहुत नुकसान पहुंचाया था बावजूद इसके ये समुद्र की लहरों के बीच अडिग खड़ा रहा और लगभग 106 साल तक देशहित में समर्पित रहा।

21वीं सदी और बदलते भारत की परिवहन आवश्यकताओं ने पुराने पांबन ब्रिज के समक्ष कई तरह की नई चुनौतियाँ रख दी थीं। जिसे देखते हुए आधुनिक ट्रेनों और बड़े समुद्री जहाजों की आवश्यकताओं के अनुरूप एक नई संरचना की जरूरत महसूस की गई। इस जरूरत को पूरा करने के लिए 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस नए ब्रिज के निर्माण की आधारशिला रखी गई। नवाचार का जूनून और विकास की अभूतपूर्व गति के कारण मात्र 4 साल में समुद्र पर इस अद्भुत निर्माण को पूरा कर लिया गया।

पांबन ब्रिज की विशेषताएँ : 2.08 किलोमीटर का ये भव्य संरचना पुराने पांबन ब्रिज से से 3 मीटर अधिक ऊँचा है, ताकि छोटे जहाज सुगमता के साथ इसके नीचे से होकर गुजर सकें। इस पूरे ब्रिज को बनाने में 18.3 मीटर के 99 स्पैन का प्रयोग किया गया है साथ ही ब्रिज के मध्य में 72.5 मीटर का एक वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जरूरत पड़ने पर बड़े जहाजों के लिए 17 मीटर तक ऊपर उठाया जा सकता है। इस ब्रिज में 333 पाइल्स और 101 पाइल कैप्स का इस्तेमाल कर मजबूत आधार के साथ दोहरी रेल लाइनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिसपर भारी-भरकम मालगाड़ियों के साथ वंदे भारत जैसी तेज गति से चलने वाली अत्याधुनिक सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें भी बड़े ही आसानी से गुजर सकती है। साथ ही इसकी सतह को 58 वर्षों तक सुरक्षित रखने के लिए उत्कृष्ट सुरक्षा प्रणाली अपनाई गई है।

इस ब्रिज के निर्माण के दौरान समुद्री तूफानों, तेज़ हवाओं और ज्वार-भाटाओं जैसी परिस्थितियों का भी खास ध्यान रखा गया है। पॉलिसिलोक्सेन पेंट, स्टेनलेस स्टील और फाइबर रिइंफोर्स्ड प्लास्टिक के प्रयोग ने समुद्र के खारा पानी के बीच होते हुए भी इसे लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनाए रखेगा।

निर्माण की उपलब्धियाँ : यह ब्रिज पुराने पुल की तुलना में अधिक टिकाऊ और अत्याधुनिक तकनीकों से बनाया गया है। इसका सब-स्ट्रक्चर भी तय समय सीमा से पहले ही पूरा कर लिया गया था, जो इसकी मजबूती को सुनिश्चित करता है। सटीक और अद्भुत इंजीनियरिंग के तहत इस पुल के लिए 99 स्पैन को एकल लाइन हेतु निर्मित कर उत्कृष्टता के साथ स्थापित किया गया है। इसकी निर्माण तकनीक और डिज़ाइन इसे केवल दक्षिण भारत में ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संरचना बनाते हैं।

डिजाइन में तकनीकी का समावेश : इस पुल का डिजाइन जहां इंटरनेशनल कंसल्टेंट TYPSA द्वारा बनाया गया है तो वही IIT चेन्नई व IIT बॉम्बे द्वारा डिजाइन को सत्यापित किया गया है। उच्च ग्रेड सामग्री और स्टेनलेस स्टील के प्रयोग ने इसे एक दृढ़, सुरक्षित और कम रखरखाव वाली संरचना बना दिया है। ब्रिज के केंद्र में 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है, जिसे जहाजों के आकार के हिसाब से ऊपर-नीचे किया जा सकता है।

आस्था और प्रगति का संगम : पांबन ब्रिज का भगवान राम और भगवान शिव के साथ सीधा संबंध है। ये ब्रिज जिस द्वीप रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ता है, उसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां स्थित रामेश्वरम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि जब भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे, तब उन्होंने इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी और भगवान शिव की पूजा की थी। पांबन ब्रिज से होकर गुजरने वाला मार्ग भगवान राम की लंका यात्रा का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है, जिससे यह धार्मिक रूप से और भी विशेष हो जाता है। रामायण के अनुसार, भगवान राम और उनकी वानर सेना ने लंका जाने के लिए रामसेतु का निर्माण किया था, जो वर्तमान पांबन ब्रिज के पास स्थित है। ऐसे में नया पांबन ब्रिज श्रद्धालुओं के लिए रामेश्वरम की यात्रा को आसान और सुरक्षित बनाएगा। यह पुल आधुनिक तकनीक से निर्मित है, जिससे श्रद्धालु बिना किसी बाधा के भगवान शिव और भगवान राम से जुड़े स्थलों के दर्शन कर सकते हैं।

एक गौरवशाली उपलब्धि : नया पांबन ब्रिज भारत की नवाचार क्षमता, अद्वितीय इंजीनियरिंग कौशल और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का एक अद्भुत प्रतीक है। साथ ही भारत की तकनीकी प्रगति, आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का भी जीवंत प्रमाण है। यह ब्रिज समुद्र की लहरों के ऊपर दृढ़ संकल्प की तरह खड़ा है, जो दो स्थानों को पाटने के साथ-साथ भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति और भविष्य की असीम संभावनाओं को भी दर्शाता है। 6 अप्रैल 2025 को राम नवमी के अवसर पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। जिसके बाद यातायात और परिवहन को सुगम बनाते हुए यह ब्रिज पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संवाद को नया आयाम देगा, जिससे भारत की प्रगति और समृद्धि को और अधिक गति मिलेगी।

देश-विदेश डायरी

नेपाल में कर्फ्यू हटा, हिंसा के बाद 51 राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के बानेश्वर-टिंकुने और आसपास के इलाकों में शनिवार को तनाव कम होने के बाद कर्फ्यू हटा लिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अब तक 51 लोगों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया गया है, जिनमें अधिकतर शीर्ष राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारी हैं। इनमें राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा, महासचिव धवल शमशेर राणा, स्वागत नेपाल, शेफर्ड लिम्बू, संतोष तमांग और कुछ अन्य नेता शामिल हैं। नेपाल की पुलिस ने काठमांडू के तिनकुने में हुए राजशाही समर्थक प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तारियां तेज कर कर दी हैं। राजशाही समर्थक प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में शुक्रवार को लोगों की मौत हुई, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और आगजनी की गई। नेपाल के गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने काठमांडू पोस्ट को बताया, ष्शुक्रवार की आगजनी, बर्बरता, हत्याओं के कारण राजतंत्रवादियों के प्रति जनता की सहानुभूति और समर्थन में काफी कमी आई। अधिकारी ने कहा, शुक्रवार की हिंसा के बाद विभिन्न हिंदू समर्थक और राजतंत्र समर्थक समूहों के बीच गहरे मतभेद की आशंका है। लेकिन, हम उनकी गतिविधियों को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। बता दें शुक्रवार को जिला प्रशासन की ओर से कर्फ्यू लगाया गया था, क्योंकि सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पों में दो लोगों की मौत हो गई थी और 45 अन्य घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारी नेपाल में समाप्त राजशाही की बहाली की मांग कर रहे थे। नेपाली समाचार आउटलेट अन्नपूर्णा एक्सप्रेस के मुताबिक तिनकुने में उस समय तनाव बढ़ गया जब लोगों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। जवाब में सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। बाद में, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए गोलियां चलाईं। सोशल मीडिया फुटेज में प्रदर्शनकारियों को पुलिस की बंदूकें जब्त करते और हिंसक हमले करते हुए दिख रख रहे हैं। नेपाल के गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को हिंसक प्रदर्शनों में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी जारी की और जोर देकर कहा कि उन्हें उनके अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

म्यांमार में एक बार फिर भूकम्प का झटका

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप के एक दिन बाद शनिवार को फिर से 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार,यह झटका राजधानी नेपीडॉ के पास दोपहर 2.50 बजे आया, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर थी। म्यांमार में बीते दिन आए शक्तिशाली भूकंपों से 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग घायल हैं। शनिवार को आए 5.1 तीव्रता के झटके ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। अभी तक इस नए भूकंप से हुए नुकसान की कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह उसी क्षेत्र में आया जहां शुक्रवार को भीषण तबाही मची थी। विशेषज्ञों के अनुसार, म्यांमार भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है और यहां भूकंप आना आम बात है। लेकिन हाल के दिनों में झटकों की तीव्रता और बारंबारता ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। म्यांमार के लोग अब भी दहशत में हैं। कई लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर रातें बिता रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि और झटके आ सकते हैं। राहत और बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

म्यांमार-थाईलैंड के बाद अब अफगानिस्तान में कांपी धरती, सुबह-सुबह आया जोरदार भूकम्प

काबुल, एजेंसी। म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप की तबाही के बाद अब अफ़ग़ानिस्तान में भी धरती कांप उठी। शनिवार, 29 मार्च 2025 को सुबह लगभग 4.51 बजे अफ़ग़ानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। यह भूकंप अफ़ग़ानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में महसूस किया गया, जिससे वहां के लोग घबराहट में आ गए। नींद से उठे लोग अचानक अपने घरों में हिलते-डुलते महसूस करने लगे और बाहर की ओर दौड़ने लगे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अफ़ग़ानिस्तान में था और यह धरती की गहराई में 221 किलोमीटर अंदर आया था। भूकंप के बाद घरों में रखी चीजें, जैसे बल्ब, पंखे और बेड, हिलने लगे। कई जगहों पर खिड़कियां और दरवाजे भी कंपन करने लगे, जिससे लोगों में अफ़रातफ़री फैल गई। हालांकि, भूकंप के दौरान किसी प्रकार की जानमाल की हानि होने की खबर अभी तक नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन और राहत दलों ने स्थिति की निगरानी शुरू कर दी है और विशेषज्ञों के मुताबिक, यह भूकंप एक मामूली तीव्रता का था, लेकिन अफ़ग़ानिस्तान के कुछ हिस्सों में इसकी घबराहट ने जनजीवन को प्रभावित किया।